मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 196
शुक्रवार, 30 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत को Global Hub बनाएं: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 29 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में कार्यरत मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और विशेषज्ञों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो 'पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित' हो। उन्होंने एआई के नैतिक उपयोग पर भी कोई समझौता न करने की बात कही और प्रमुख क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया।

7, लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) स्थित अपने कार्यालय में हुई इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने सीईओ से भारत को वैश्विक एआई प्रयासों के लिए एक 'उपयुक्त केंद्र' बनाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि देश ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया है और इसे एआई के क्षेत्र में भी दोहराया जा सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने डेटा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के महत्व पर जोर दिया है।

उन्होंने यह भी अपील की कि भारत में एआई इकोसिस्टम देश के चरित्र और मूल्यों को प्रतिबिंबित करे, साथ ही एआई कौशल विकास और प्रतिभा निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया।पीएमओ ने कहा कि आगामी एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी व्यक्तियों और कंपनियों को नए अवसरों का पता लगाने और विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए इस समिट का लाभ उठाना चाहिए।

पीएमओ ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के पास विशालता, विविधता और लोकतंत्र का अनूठा संयोजन है, जिसके कारण दुनिया भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर भरोसा करती है। पीएमओ ने कहा कि सभी के लिए एआई' के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी प्रौद्योगिकी से प्रभाव पैदा करने के साथ-साथ दुनिया को प्रेरित करने की भी आवश्यकता है। इस उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में विप्रो, टीसीएस, एचसीएल टेक, जोहो कॉर्पोरेशन, एलटीआई माइंडट्री, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, अदानीकॉनेक्स, एनएक्सट्रा डेटा और नेटवेब टेक्नोलॉजीज सहित एआई क्षेत्र में कार्यरत कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। इनके अलावा, IIIT हैदराबाद, IIT मद्रास और IIT बॉम्बे के विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी बैठक में शामिल हुए।

महिला रोजगार योजना के लाभुकों को दो लाख रुपए तक अतिरिक्त सहायता देने की प्रक्रिया शुरू : नीतीश कुमार

पटना, 29 जनवरी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चयनित लाभुकों को दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राशि चरणबद्ध तरीके से दी जाएगी, बशर्ते पूर्व में दी गई सहायता राशि का सदुपयोग कर लाभुकों ने रोजगार शुरू किया हो। उन्होंने कहा कि यदि रोजगार सुचारू रूप से चल रहा हो तो आवश्यकता के अनुसार एकमुश्त राशि भी प्रदान की जा सकती है।

नीतीश कुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए

आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि प्रत्येक परिवार की एक महिला, उद्यमी के रूप में स्थापित हो सके।

उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में प्रत्येक परिवार की एक महिला को 10 हजार रुपए की राशि दी गई है। अब तक एक करोड़ 56 लाख लाभुकों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से राशि अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शेष आवेदकों को भी नियमानुसार डीबीटी के माध्यम से शीघ्र ही उनके खातों में राशि भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत महिलाओं द्वारा रोजगार शुरू करने के छह माह बाद आकलन किया जाएगा और आवश्यकता के अनुसार दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है।

हर विधानसभा क्षेत्र में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल हो: मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, 29 जनवरी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इनके निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार देर रात जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि जो प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन राज्य में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने के इच्छुक हैं, उन्हें रियायतें दी जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सुविधा उन संस्थाओं को भी दी जाएगी, जो इन अस्पतालों की स्थापना और संचालन गैर-लाभकारी आधार पर करेंगी। नायडू ने कहा, हर विधानसभा क्षेत्र में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल होना

चाहिए। विधानसभा क्षेत्रों में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

स्वास्थ्य क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संजीवनी परियोजना का राज्यभर में विस्तार करने के निर्देश भी दिए। यह परियोजना लोगों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में दर्ज करने की व्यवस्था करती है। संजीवनी परियोजना की शुरूआत पायलट आधार पर चित्तूर जिले में की गई थी, जिसके तहत लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े विवरणों को दर्ज करने के अलावा उनकी निगरानी भी की जाती है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख नायडू के अनुसार, संजीवनी परियोजना के तहत 70 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी।

सरकारी और निजी बैंकों से 2.5 गुना हुई इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की पहुंच: सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज सदन में भारतीय डाक विभाग की राष्ट्रीय उपलब्धियों, डिजिटल परिवर्तन और सेवा विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण आँकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट आज न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व की सबसे व्यापक और प्रभावी वितरण प्रणाली के रूप में कार्य कर रहा है, जो डाक और पार्सल के साथ-साथ नागरिकों तक सरकार और निजी क्षेत्र की लगभग हर सेवा पहुँचाने में सक्षम है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के साढ़े छह लाख से अधिक गाँवों में फैले 1,65,000 डाक केंद्रों के माध्यम से इंडिया पोस्ट देश का सबसे बड़ा सेवा नेटवर्क संचालित कर रहा है, जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। केन्द्रीय मंत्री ने साथ ही बताया कि डाक विभाग आईटी 2.0 और एपीटी के साथ तेजी से डिजिटल समावेशन कर रहा है और

साथ ही इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक भी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

सिंधिया ने बताया कि डाक विभाग में वित्तीय समावेशन में ऐतिहासिक प्रगति की है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत देशभर में लगभग 3.75 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक के अंतर्गत करीब 38 करोड़ खाते सक्रिय हैं, जिनमें लगभग ?22 लाख करोड़ का डिपॉजिट है, जो पिछले दस वर्षों में 6 लाख करोड़ से बढ़कर साढ़े तीन गुना हो चुका है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, जिसकी शुरूआत 2018 में हुई थी, आज 13 करोड़ खाताधारकों तक पहुँच चुका है और इसके माध्यम से अब तक लगभग 1,37,000 करोड़ की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर राशि वितरित की जा चुकी है। पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस के अंतर्गत लगभग 1.25 करोड़ खाते हैं, जिनमें 2 लाख करोड़ से अधिक का डिपॉजिट है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देशभर में 452 पासपोर्ट सेवा केंद्र डाक विभाग के माध्यम से संचालित हो रहे हैं, जिनके जरिए अब तक 2 करोड़ से अधिक पासपोर्ट जारी किए जा चुके हैं। वहीं आधार नामांकन और अद्यतन के क्षेत्र में 13,352 पोस्ट ऑफिसों के माध्यम से 14 करोड़ नागरिकों के आधार अपडेट किए गए हैं। यह आंकड़े दिखाते हैं कि भारतीय डाक विभाग सिर्फ डाक ही नहीं बल्कि पासपोर्ट और आधार जैसी नागरिक सेवाएं भी देशवासियों तक पहुंचा रहा है।

वाणिज्य और वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर डाक विभाग ने देशभर में 1,013 डाक निर्यात केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक लगभग 12.75 लाख शिपमेंट्स हुए हैं, जिनकी कुल मूल्य राशि करीब 300 करोड़ है, और 28,000 से अधिक निर्यातक इस प्रणाली से जुड़े हैं। इस सुविधा से सर्वाधिक लाभ एमएसएमई को हुआ है और उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचने का एक नया और मजबूत माध्यम मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2022-23 और 2023-24 में डाक विभाग का कुल राजस्व 12,800 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ?13,218 करोड़ हुआ। जहां पिछले वित्तीय वर्ष में केवल 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी, वहीं इस वर्ष के केवल नौ महीनों में ही 10 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि सिटिजन-सेंट्रिक सर्विसेज में 95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो ?328 करोड़ से बढ़कर ?650 करोड़ तक पहुँच गई है और पार्सल सेवाओं में 12 प्रतिशत और पीएलआई/आरपीएलआई में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी महीनों में डाक विभाग और भी बेहतर आंकड़े सदन के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

मनगढ़ंत कहानियाँ सुना रहे हैं राज्य, आवारा कुत्तों मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 29 जनवरी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को आवारा कुत्तों के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, एक दिन पहले ही उसने सभी राज्यों की दलीलें सुनी थीं। अदालत ने सभी संबंधित पक्षों, जिनमें कुत्ते प्रेमी, कुत्ते के काटने की घटनाओं के पीड़ित, पशु अधिकार कार्यकर्ता और केंद्र एवं राज्य सरकारों के वकील शामिल थे, की दलीलें विस्तार से सुनने के बाद सुनवाई समाप्त की। सुनवाई पूरी होने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने सभी पक्षों को एक सप्ताह के भीतर लिखित दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों द्वारा आवारा कुत्तों की नसबंदी करने, डॉग पाउंड स्थापित करने और शैक्षणिक एवं अन्य संस्थानों के

परिसरों से कुत्तों को हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में विफलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारी की पीठ ने कहा कि ये सभी हवाई महल बना रहे हैं। राज्यों द्वारा अपने पूर्व निदेशों के अनुपालन पर प्रस्तुतियाँ सुनने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे मनगढ़ंत कहानियाँ सुना रहे हैं। अदालत ने असम के आंकड़ों पर हैरानी जताई और कहा कि राज्य में 2024 में 1.66 लाख कुत्ते के काटने के मामले दर्ज किए गए, साथ ही यह सवाल भी उठाया कि वहाँ केवल एक ही कुत्ता केंद्र क्यों है। अदालत ने आगे बताया कि अकेले जनवरी 2025 में ही 20,900 लोगों को कुत्तों ने काटा था, और इस आंकड़े को चिंताजनक बताया। एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल ने अदालत को बताया कि आंध्र प्रदेश में 39 पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र हैं, जिनकी क्षमता प्रतिदिन 1,619 कुत्तों की नसबंदी करने की है।

उन्होंने कहा कि राज्य को मौजूदा सुविधाओं का ऑडिट करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि उनका पूरी तरह से उपयोग हो रहा है या नहीं, और नए एबीसी केंद्र स्थापित करने के लिए एक समयसीमा निर्धारित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य को आवारा कुत्तों की पहचान करने के लिए संबंधित हितधारकों से सहायता लेनी चाहिए।

दोषसिद्धि दर अदालतों के कामकाज का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब नहीं: कानून मंत्री

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि दोषसिद्धि दर अदालतों के कामकाज का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब नहीं होती और इसे आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी घटकों को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि दोषसिद्धि दर में पुलिस, फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं और वकीलों आदि की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक अदालतों एफटीसी) में कथित रूप से घटती दोषसिद्धि दर से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि अदालतें कानून के अनुसार न्याय देने के लिए बाध्य होती हैं और इसमें आरोपी को बरी किया जाना भी शामिल हो सकता है।

शिक्षा खौफनाक नहीं, बल्कि स्नेह एवं हौसलों का माध्यम बने

-ललित गर्ग

जीवन को दिशा देने वाली शिक्षा यदि भय, हिंसा और दमन का पर्याय बन जाए तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना कही जाएगी। हाल के वर्षों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों पर बढ़ते दबाव, घर और स्कूल में हिंसक व्यवहार तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने शिक्षा की आत्मा पर गहरा आघात किया है। फरीदाबाद की उस हृदयविदारक घटना ने, जिसमें महज गिनती न सीख पाने के कारण एक मासूम बच्ची को पिता की क्रूरता ने मौत के मुंह में धकेल दिया, पूरे समाज को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस तरह खौफनाक होती पढ़ाई अब केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ी विडम्बना बनती जा रही है। इस तथाकथित शिक्षा की विकृत मानसिकता का भयानक परिणाम है कि आज भी यह माना जाता है कि डर और मार से बच्चों को बेहतर बनाया जा सकता है। ज्ञान की इस सदी में यह सोचना ही शर्मनाक है कि पढ़ाई के नाम पर किसी बच्चे से उसका जीवन, उसका बचपन, उसका आत्मविश्वास छीना जा सकता है।

आज शिक्षा धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं से कटती जा रही है। परीक्षा परिणाम, रैंक, अंक तालिका और प्रतिस्पर्धा के आंकड़े शिक्षा का चेहरा बनते जा रहे हैं। अभिभावक अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों के नाजुक

कंधों पर लाद देते हैं और स्कूल उन्हें प्रदर्शन की मशीन मानकर आंकने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चा पढ़ाई को उत्सव या खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक खौफनाक दायित्व के रूप में देखने लगता है। घर, जो सबसे सुरक्षित और स्नेहपूर्ण स्थान होना चाहिए, वहीं डर का अड्डा बन जाता है। स्कूल, जो जिज्ञासा और रचनात्मकता को पंख देने का माध्यम होना चाहिए, वह दंड और अपमान का स्थल बन जाता है। ऐसे में मासूम मन कहां जाए, किससे अपने भय और असहायता को साझा करे। मनोविज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तमाम अध्ययन यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंसा, डांट, डर और अपमान बच्चों की सीखने की क्षमता को नष्ट करते हैं। डर के माहौल में बच्चा न तो प्रश्न पूछ पाता है, न प्रयोग कर पाता है और न ही अपनी गलतियों से सीख पाता है। उसकी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे वह हीनभावना का शिकार हो जाता है और स्वयं को अयोग्य समझने लगता है। यह कुंठा केवल बचपन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे जीवन उसके व्यक्तित्व पर छाया की तरह मंडराती रहती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी जोखिम लेने से डरते हैं, अपनी बात रखने में संकोच करते हैं और जीवन की प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास के अभाव में पिछड़ जाते हैं। यह शिक्षा नहीं, बल्कि एक तरह का मानसिक शोषण है।

हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम हर बच्चे को एक ही मापदंड से आंकना चाहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट है। किसी की रुचि गणित में है तो किसी की कला में, कोई खेल में खिलता है तो कोई संगीत या साहित्य में। प्रकृति ने हर बच्चे को किसी न किसी विशेष क्षमता के साथ भेजा है, लेकिन हम उसे पहचानने की बजाय एक तयशुदा पाठ्यक्रम और अपेक्षाओं की बेड़ियों में जकड़ देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 ने बहुआयामी शिक्षा, रुचि आधारित सीख और मूल्यपरक दृष्टि की बात जरूर की है, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी अंक और रैंक की मानसिकता हावी है। कोचिंग संस्कृति, बोर्ड परीक्षाओं का भय और प्रवेश परीक्षाओं की दौड़ ने शिक्षा को और भी संकीर्ण बना दिया है। इसके साथ ही यह भी एक कटु सत्य है कि कई बच्चे जन्मजात, आनुवंशिक या परिस्थितिजन्य कारणों से सीखने में कठिनाई महसूस करते हैं। दृष्टि दोष, श्रवण समस्या, डिस्लेक्सिया, मानसिक तनाव या पारिवारिक अस्थिरता जैसी स्थितियां उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे बच्चों को सबसे अधिक समझ, धैर्य और सहारे की आवश्यकता होती है, लेकिन दुर्भाग्य से वही बच्चे सबसे पहले डांट और दंड का शिकार बनते हैं। शिक्षक और अभिभावक उनकी समस्या को समझने की बजाय उन्हें आलसी या अयोग्य ठहरा देते हैं। यह रवैया न केवल अमानवीय है, बल्कि भविष्य की पीढ़ी के साथ अन्याय भी है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना है। यदि शिक्षा अहिंसा, करुणा, सहानुभूति और आत्मसम्मान का पाठ नहीं पढ़ाती, तो वह अधूरी है। बच्चों को सिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम उदाहरण होता है। जब वे घर और स्कूल में संवाद, धैर्य और प्रेम देखते हैं, तभी वे भी वही मूल्य आत्मसात करते हैं। भय के वातावरण में पले बच्चे या तो दब्बू बन जाते हैं या फिर हिंसा को ही समाधान मानने लगते हैं। समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता के पीछे कहीं न कहीं वही शिक्षा व्यवस्था जिम्मेदार है जो संवेदनशील मनुष्यों के बजाय केवल प्रतिस्पर्धी उपभोक्ता तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बार-बार परीक्षा के तनाव को कम करने और शिक्षा को जीवन से जोड़ने की अपील इस बात का संकेत है कि समस्या गंभीर है। लेकिन केवल भाषणों और नीतियों से बदलाव नहीं आएगा। असली परिवर्तन तब होगा जब अभिभावक यह समझेंगे कि उनका बच्चा उनकी प्रतिष्ठा का साधन नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। जब शिक्षक यह मानेंगे कि उनका दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों में सीखने की ललक जगाना है। जब स्कूल प्रशासन दंड की संस्कृति छोड़कर सहयोग और परामर्श की व्यवस्था विकसित करेगा। और जब समाज यह स्वीकार करेगा कि असफलता भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई अपराध नहीं।

आज जरूरत है शिक्षा को फिर से मानवीय बनाने की। ऐसी शिक्षा की, जिसमें स्नेह अनुशासन का आधार हो, संवाद दंड का विकल्प बने और विश्वास भय की जगह ले। बच्चों को यह एहसास कराया जाए कि वे जैसे हैं, वैसे ही स्वीकार्य हैं और उनकी प्रगति का रास्ता उनकी अपनी गति से तय होगा। शिक्षा को अहिंसक दृष्टि से देखना केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि व्यावहारिक आवश्यकता भी है। क्योंकि जिस समाज की शिक्षा बच्चों को तोड़ती है, वह समाज कभी मजबूत नहीं हो सकता। मासूमों को डर नहीं, हौसले का संबल चाहिए; डांट नहीं, दिशा चाहिए; और हिंसा नहीं, विश्वास चाहिए। तभी शिक्षा सचमुच जीवन देने वाली बन सकेगी, जीवन लेने वाली नहीं।

नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल्स कॉन्फ्रेंस (एनपीएससी) भारत के 250 से ज्यादा प्रमुख प्राइवेट सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का एक प्रमुख एसोसिएशन है, शिक्षा की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए एनसीईआरटी और एनआईईपीए जैसे सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम करता है, जिसमें पॉलिसी सुधार, पढ़ाने-सीखने के तरीकों और सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। जिसका उद्देश्य शैक्षिक पहलों, टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन और मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को बेहतर बनाना। इसी से जुड़ी डॉ. उषा राम भारतीय स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक अनुभवी शिक्षिका और लीडर हैं, इसी तरह श्रीनिवासन श्रीराम द मान स्कूल, दिल्ली के प्रिंसिपल हैं, जिनके पास रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल शिक्षा और आईटी एडमिनिस्ट्रेशन में 30 से ज्यादा सालों का अनुभव है। मेयो कॉलेज में कंप्यूटर साइंस के पूर्व हेड होने के नाते, वे आईसीटी इंटीग्रेशन और इक्कीसवीं सदी की लर्निंग में एक्सपर्ट हैं। इन दोनों शिक्षाशास्त्रियों से कल ही प्लेटीनम वैली इन्टरनेशनल स्कूल में नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर सार्थक चर्चा हुई। सर्वसम्मति यही सामने आयी कि आज सबसे बड़ा और चिंताजनक प्रश्न यह है कि जो शिक्षा जीवन निर्माण, चरित्र गठन और मानवीय मूल्यों के संवर्धन का माध्यम होनी चाहिए थी, वही शिक्षा धीरे-धीरे विध्वंस का कारक क्यों बनती जा रही है। जब शिक्षा सही दिशा में आगे नहीं बढ़ती, जब वह अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व और नैतिक विवेक से संपन्न नागरिकों का निर्माण करने में विफल रहती है, तब उससे निकलने वाली पीढ़ियां केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी संकट का कारण बनती हैं।

कुत्ते हमारे जीवन के कालभैरव हैं : भय नहीं

-सुरेश गांधी

आज भारत के शहरों, कस्बों और गांवों में एक बहस लगातार तेज होती जा रही है– सड़कों पर रहने वाले कुत्ते समस्या हैं या हमारी व्यवस्था की विफलता का आईना? क्या कुछ दुखद घटनाओं के आधार पर पूरे जीव-जगत को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? और सबसे बड़ा प्रश्न–क्या सभ्य समाज की पहचान ताकत से होती है या करुणा से? इन्हीं सवालों के बीच एक स्पष्ट, संवेदनशील और तर्कपूर्ण आवाज उभरकर सामने आती है– सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट सुदेशना बसु की। वे न केवल वाराणसी ब्रांच ऑफ आईसीएआई की पूर्व चेयरमैन रही हैं, बल्कि इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की भी पूर्व चेयरमैन रह चुकी हैं। सामाजिक सेवा, विशेषकर डॉग केयर और पशु अधिकारों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने उन्हें थर्ड सीए वोमेन एक्सीलेंस अवार्ड - सीए वोमेन इन सोशल सर्विसेज अवार्ड से सम्मानित किया है। उनका वाक्य– कुत्ते हमारे जीवन के कालभैरव हैं, उनसे प्रेम करना आशीर्वाद कमाना है केवल एक भावनात्मक पंक्ति नहीं, बल्कि हमारे समय के नैतिक संकट पर सीधी टिप्पणी है।

कालभैरव : भय नहीं, संरक्षण का प्रतीक

भारतीय संस्कृति में कालभैरव भय का नहीं, संरक्षण और चेतावनी का प्रतीक हैं। वे बिना बोले संकेत देते हैं, संकट से पहले आगाह करते हैं। ठीक यही भूमिका सड़कों पर रहने वाले कुत्ते निभाते हैं– रात में पहरा, अजनबी की आहट पर चेतावनी और मोहल्लों की अनकही सुरक्षा। सुदेशना बसु का कहना है कि कुत्ते केवल पशु नहीं, हमारे जीवन-परिसर के मौन प्रहरी हैं। उनसे प्रेम करना, सम्मान देना और जीने का अधिकार देना सभ्य समाज की पहचान है। डर कहाँ से पैदा हुआ? पिछले कुछ वर्षों में कुत्तों को लेकर समाज में डर और आक्रोश बढ़ा है। काटने की कुछ घटनाएँ, दुर्घटनाओं के कुछ वीडियो और सोशल मीडिया की अतिरंजित भाषा– यही डर का असली स्रोत है। यह वही मानसिकता है, जो किसी एक अपराध के बाद पूरे समुदाय को दोषी ठहराती है। सुदेशना बसु की तुलना बेहद सटीक है– जिस प्रकार आतंकवादी मुट्ठी भर होते हैं, लेकिन पूरा समाज आतंकी नहीं होता, उसी प्रकार कुछ घटनाओं के आधार पर सभी कुत्तों को खतरनाक ठहरा देना सामूहिक दंड जैसा है।

समस्या कुत्तों में नहीं, व्यवस्था में है

कुत्तों का आक्रामक होना प्राकृतिक नहीं, परिस्थितिजन्य है। कचरा प्रबंधन की विफलता भोजन की अनिश्चितता पत्थर, डंडे और डर से किया गया व्यवहार नसबंदी और टीकाकरण की कमी इन सबका परिणाम आक्रोश और असंतुलन के रूप में सामने आता है। जहाँ समाज ने कुत्तों को अपनाया है, जहाँ नियमित भोजन और देखभाल मिली है, वहाँ आक्रामकता अपने-आप कम हुई है। यह अनुभव देश के कई शहरों और कॉलोनियों में दर्ज है।

सुप्रीम कोर्ट और मानवीय दृष्टिकोण

एक बड़ा और संवेदनशील सवाल यह भी है कि क्या सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों, गायों जैसे बेजुबान पशुओं के मामलों में मानवीय दृष्टिकोण को पर्याप्त महत्व दिया? इसका उत्तर एकांगी नहीं हो सकता। न्यायालय का पहला दायित्व मानव जीवन और सार्वजनिक सुरक्षा है। जब किसी क्षेत्र में भय या खतरा उत्पन्न होता है, तो अदालत निवारक और प्रशासनिक नियंत्रण के आदेश देती है। लेकिन समस्या यह है कि इन आदेशों में सह-अस्तित्व और करुणा की भाषा कमजोर पड़ जाती है। शेल्टर, नियंत्रण और प्रतिबंध को समाधान की तरह प्रस्तुत किया जाता है, जबकि वैज्ञानिक और मानवीय विकल्प– जैसे नसबंदी, टीकाकरण, सामुदायिक सहभागिता– उसी मजबूती से सामने नहीं आते। संविधान के अनुच्छेद48 ए और 51 ए (जी) पशुओं के प्रति करुणा को हमारा नैतिक कर्तव्य बताते हैं। सभ्य लोकतंत्र में मानव सुरक्षा और पशु अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक होने चाहिए।

गोद लेना : सबसे मानवीय समाधान

डॉग एडॉप्शन केवल भावुक अपील नहीं, बल्कि व्यावहारिक और स्थायी समाधान है। एक सड़क के पिल्ले को गोद लेना मतलब– एक जीवन को सुरक्षा सड़कों पर कम संघर्ष कम भूख, कम चोटें और पीड़ा के पूरे चक्र का अंत सुदेशना बसु स्पष्ट कहती हैं– ह्लगोद लेना सिर्फ एक जीवन बदलना नहीं, बल्कि समाज को अधिक करुणामय बनाना है ह्व आईसीएआई द्वारा दिया गया सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। यह इस बात की स्वीकारोक्ति है कि पेशेवर सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं। जब एक चार्टर्ड अकाउंटेंट बेजुबान प्राणियों के पक्ष में आवाज उठा सकता है, तो हर नागरिक उठा सकता है।

सभ्यता की असली कसौटी

आज जब हर समस्या का समाधान बुलडोजर, लाठी और विस्थापन में खोजा जा रहा है, तब यह प्रश्न और भी जरूरी हो जाता है– क्या हम ताकतवर हैं, इसलिए सही हैं? या हम करुणामय हैं, इसलिए सभ्य हैं? कुत्ते हमारे शत्रु नहीं, वे हमारे जीवन के कालभैरव हैं। उन्हें हटाने की नहीं, समझने, संभालने और अपनाने की जरूरत है। सभ्यता का पैमाना यह नहीं कि हम कितने शक्तिशाली हैं, बल्कि यह

कुत्ते केवल पशु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के कालभैरव हैं, मौन प्रहरी और संरक्षक। उनसे प्रेम करना, सम्मान देना और उन्हें जीने का अधिकार देना सभ्य समाज की पहचान है। कुछ घटनाओं के आधार पर सभी कुत्तों को खतरनाक ठहराना सामूहिक दंड जैसा है, ठीक वैसे ही जैसे मुट्ठी भर आतंकियों के कारण पूरे समाज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। समस्या कुत्तों में नहीं, बल्कि व्यवस्था और असंवेदनशीलता में है। समाधान हिंसा या विस्थापन नहीं, बल्कि टीकाकरण, नसबंदी, नियमित भोजन और सामुदायिक देखभाल है। डॉग एडॉप्शन पीड़ा के पूरे चक्र को तोड़ता है और समाज को अधिक करुणामय बनाता है। सामाजिक सेवा में उनके योगदान के लिए आईसीएआई ने उन्हें सीए वोमेन इन सोशल सर्विसेज अवार्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान पेशेवर सफलता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है

अजित पवार को भावनात्मक भाजपाई भावांजली या सियासत का कोई संकेत?

– निरंजन परिहार

सियासत में कोई भी काम यूं ही नहीं होता। यहां हर कदम अगले कदम की तैयारी होता है और हर पहल भविष्य की किसी संभावना का संकेत। राजनीति में घटनाओं को उनके सतही अर्थों से नहीं, बल्कि उनके निहितार्थों से पढ़ा जाता है। इसी परंपरा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता के निधन पर अजित पवार को दी गई बीजेपी की श्रद्धांजलि का त्वरित और प्रभावशाली विज्ञापन आज सियासी हलकों में गहन चर्चा का विषय है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गहरे शोक में है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अपने वरिष्ठ नेता के असामयिक निधन से गमगीन। यह स्वाभाविक है कि पार्टी अपने नेता को श्रद्धांजलि दे। यह भी स्वाभाविक है कि सरकार, जिसमें वह नेता शामिल रहे हैं, आधिकारिक तौर पर शोक प्रकट करे। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में जो बात असाधारण है, वह है, बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई द्वारा प्रकाशित फ्रंट का फुल-पेज श्रद्धांजलि विज्ञापन। अजित पवार मौजूदा सरकार का हिस्सा थे। यह विज्ञापन अगर महाराष्ट्र सरकार की ओर से दिया जाता, तो इसे समूचे महाराष्ट्र की ओर से दी गई श्रद्धांजलि माना जाता। लेकिन यहां विज्ञापन सरकार का नहीं, बल्कि पार्टी का है, बीजेपी का है। वह भी कोई छोटा, औपचारिक शोक संदेश नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये खर्च कर प्रमुख समाचार पत्रों के मुखपृष्ठों पर प्रकाशित प्रभावशाली विज्ञापन। यह तथ्य ही इस पूरे घटनाक्रम को सामान्य से अचानक असामान्य बना देता है।

भारतीय राजनीति में आम तौर पर शोक संदेशों की भी एक अलिखित मयार्दा और परंपरा रही है। विरोधी दल के नेता के निधन पर संवेदना व्यक्त की जाती है, ट्वीट होते हैं, बयान आते हैं, और विज्ञापन भी। लेकिन किसी अन्य दल के नेता के लिए इतने व्यापक, त्वरित और तात्कालिक तरीके से बेहद महंगे श्रद्धांजलि विज्ञापन, वह भी सीधे पार्टी की ओर से, यह दृश्य बेहद दुर्लभ है। अगर इतिहास में झांका जाए, तो ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं। 2014 में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के परिवार या 2018 में अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर सभी दलों ने व्यापक श्रद्धांजलि दी थी, लेकिन तब वाजपेयी एक सर्वस्वीकृत राष्ट्रीय नेता थे और देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे। वहां सरकार और पार्टी के बीच की रेखा लगभग मिट चुकी थी। इसी तरह, 2022 में मुलायम सिंह यादव के निधन पर भी उत्तर प्रदेश में कई दलों ने बड़े स्तर पर शोक प्रकट किया, लेकिन किसी एक पार्टी द्वारा दूसरे दल के नेता के लिए इतने त्वरित और खचीर्ले मुखपृष्ठीय विज्ञापन देखने को नहीं मिले। यही कारण है कि इस श्रद्धांजलि की तात्कालिकता और व्यापकता को लेकर कांग्रेस, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और स्वयं बीजेपी के भीतर भी सियासी मायने तलाशे जा रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह केवल संवेदना है, या इसके पीछे कोई सियासी संदेश छिपा है?

महाराष्ट्र की राजनीति वैसे भी गठबंधन, टूट-फूट और पुनर्संयोजन की प्रयोगशाला रही है। शिवसेना के टूटने से लेकर कांग्रेस के फूटने तक। एनसीपी के विभाजन, अजीत पवार का सत्ता में आने और शरद पवार का अलग खेमे में जाने की राजनीतिक घटनाओं के बीच बीजेपी की हर रणनीति को दीर्घकालिक चश्मे से देखा जाता है। ऐसे में यह श्रद्धांजलि विज्ञापन केवल शोक व्यक्त करने का माध्यम नहीं रह जाता, बल्कि संभावित सियासी संकेत का रूप ले लेता है। कुछ विश्लेषक इसे एनसीपी के अजित पवार गुट के प्रति बीजेपी की सार्वजनिक स्वीकृति और अपनत्व के प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। कुछ इसे भविष्य के लिए रिश्तों को और मजबूत करने का संदेश मान रहे हैं। वहीं, कुछ का कहना है कि यह शरद पवार गुट को यह जताने का तरीका भी हो सकता है कि सत्ता, संसाधन और सियासत किसके साथ खड़े हैं।

वैसे भी, राजनीति में संवेदनाओं की सांसें और रणनीतियों के राज अक्सर एक-दूसरे में घुले होते हैं। माना कि अजीत पवार के प्रति यह श्रद्धांजलि सच्चे शोक की अभिव्यक्ति है, मगर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि यह सियासी गणित का एक सोचा-समझा नया अध्याय शुरू करने की कोशिश भी। इसीलिए महाराष्ट्र की सियासत में इस असामान्य श्रद्धांजलि को लंबे वक्त तक याद रखा जाएगा, लेकिन इसके वास्तविक मायने आने वाले कुछ ही दिनों में अधिक स्पष्ट हो जाएंगे, यह भी तय है। बीजेपी की राजनीति हमेशा रणनीतिक प्रतीकों, सुदीर्घ संकेतों और व्यापक संदेशों पर आधारित रही है। चाहे वह किसी कार्यक्रम में मंच साझा करने का तरीका हो या किसी नेता के प्रति सार्वजनिक सम्मान का प्रदर्शन। बीजेपी के हर कदम में अपनी टाइमिंग और अपने संदर्भ होते हैं। जिनको समझना, राजनीति के जानकारों के लिए भी आसान भले ही ना हो, लेकिन मुश्किल तो कतई नहीं है। इसी संदर्भ में अजीत पवार को यह श्रद्धांजलि विज्ञापन भले ही, भावनात्मक भाजपाई भावांजली हो, मगर रणनीतिक ज्यादा लगता है, यही सच है। और हां, अंत में एक बात यह भी कि राजनीति में बीजेपी वह सब कुछ कर जाती है, जो बाकी राजनीतिक पार्टियां सोच भी नहीं पाती। क्योंकि बीजेपी सियासत, सत्ता और सम्हले रहने के अलावा और कुछ नहीं सोचती। जो कि सही भी है, समयानुकूल भी और सत्ता में बने रहने के लिए सबसे जरूरी भी।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाईः संयोग, चयन-पूर्वाग्रह या व्यवस्था की गहरी कमजोरी?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है–संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती हैः क्या विमान हादसे महज संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम, या फिर हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी?

भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40-50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती-मुंबई-दिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं। लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कमर्शियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं–सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी। अजित पवार की दुर्घटना हो या वाई.एस. राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा, या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान–प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं। यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कमर्शियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पातीं। चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाण-पत्रों, पायलट रेस्ट-नॉर्म्स और हेलीपैड मानकों की अनदेखी सामने आई। राजनीतिक दलों द्वारा लिए जाने वाले तथाकथित पॉलिटिकल पैकेज–कम कीमत, पुराने मॉडल–जोखिम को और बढ़ाते हैं। एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या वास्तव में केवल नेता ही विमान हादसों में मरते हैं? उत्तर है–नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का फोकस हाई-प्रोफाइल चेहरों पर टिक जाता है। यही चयन-पूर्वाग्रह है–जो दिखता है, वही पूरा सत्य लगने लगता है।

वैश्विक स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेह काचिंस्की, अफ्रीका और रूस में राष्ट्राध्यक्षों की हवाई दुर्घटनाएँ–हर जगह साजिश की थ्योरी पहले आती है, तथ्य बाद में। जबकि अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े बताते हैं कि जनरल एविएशन में अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय भूल और सिस्टम फेलियर का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्य से मीडिया की सनसनीखेजी इन हादसों को ह्यराजनीतिक षड्यंत्रह्ल में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी गहराता है।

समस्या मूलतः व्यवस्थागत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड विमानों की निगरानी के लिए संसाधन सीमित हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, पर उनका प्रवर्तन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूवार्नुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड–तीनों में गंभीर सुधार की जरूरत है। अब समय आ गया है कि शोक के बाद भूलने की परंपरा छोड़ी जाए। इसके लिए कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम अनिवार्य हैं। सबसे पहले, राजनेताओं के लिए एक डेडिकेटेड एयर विंग विकसित किया जाना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय वायुसेना का वीवीआईपी बेड़ा संचालित होता है, जिसमें आधुनिक हेलीकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक आधारित प्रचार को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का दबाव घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, उड़ान से पहले तकनीकी जाँच और विमान रखरखाव पर जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली प्राइवेट कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए भी जिम्मेदार रिपोर्टिंग संबंधी स्पष्ट गाइडलाइंस तय हों, ताकि हर विमान हादसे को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती–वह सत्ता संतुलन, नीतिगत निरंतरता और लोकतांत्रिक भरोसे को भी चोट पहुँचाती है। अजित पवार, वाई.एस.आर. या संजय गांधी–हर हादसा हमें चेतावनी देता है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं, बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर व्यवस्था का परिणाम हैं। अगर आज सुधार नहीं हुआ, तो कल शोक केवल दोहराया जाएगा। लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए–यह केवल एक भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि समय की ठोस माँग है। बार-बार होने वाले विमान और हेलीकॉप्टर हादसे यह स्पष्ट कर चुके हैं कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरी से जुड़ी है। जब लोकतंत्र के प्रतिनिधि असुरक्षित साधनों से यात्रा करने को मजबूर होते हैं, तो उसका दुष्परिणाम केवल एक परिवार या दल नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र को भुगतना पड़ता है। नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीतियों में अस्थिरता और जनता के भरोसे में दरार पैदा करती है। इसके साथ ही साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थाओं को और कमजोर करती हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय, ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छा-शक्ति से जोड़ा जाए। सुरक्षा मानकों में ढील, निगरानी की कमजोरी और जल्दबाजी में की गई उड़ानें किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक साबित हो सकती हैं। यदि भारत सचमुच मजबूत और स्थिर लोकतंत्र की ओर बढ़ना चाहता है, तो उसे अपने प्रतिनिधियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। सुधार आज होंगे, तभी कल शोक की पुनरावृत्ति रुकेगी। सुरक्षित आकाश केवल नेताओं के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र की निरंतर उड़ान के लिए अनिवार्य है।

आई.टी.सी. रिफंड : पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट में अहम कड़ी गायब

22 सितम्बर, 2025 से जी.एस.टी. दरों में सुधार से आम आदमी को महंगाई से राहत व कारोबारियों के लिए टैक्स सिस्टम और अधिक सरल हुआ है। उद्योगों को इनपुट टैक्स क्रैडिट (आई.टी.सी.) के डिजिटल रिफंड तेज हुए। केंद्र के इन सुधारों को उन राज्यों का समर्थन मिला, जहां मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर मजबूत है। इस दौरान पंजाब ने भी शासन सुधारों की पहल करते हुए 8 अक्तूबर, 2025 को पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025 नोटिफाई किया, इसके अलावा क्लस्टर आधारित नई औद्योगिक नीति के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान व उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की पहल पंजाब के मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर की मजबूती का संकेत हैं, पर पंजाब की ईज ऑफ डूइंग बिजनैस की यह पूरी कवायद तभी असरदार साबित होगी, जब पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025 में आई.टी.सी. रिफंड को भी शामिल किया जाए। रिफंड में देरी के कारण हजारों एम.एस.एम.ई. की वर्किंग कैपिटल लंबे समय से सरकार के पास अटकी है। आई.टी.सी. रिफंड को पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट, 2025 में शामिल करने से पंजाब की उद्योग-हितैषी मंशा कागजी कार्रवाई से आगे टिकाऊ औद्योगिक विकास में तबदील होगी। नकदी प्रवाह का संकट : पंजाब का मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो कंपोनैंट्स, टैक्सटाइल और गारमैंट्स, साइकिल, प्लास्टिक, रबड़, केबल और खेलों के सामान से जुड़े हजारों एम.एस.एम.ई. पर टिका है। ये छोटे कारोबारी स्टील, पॉलिमर, रबड़, प्लास्टिक और इलैक्ट्रिकल इनपुट जैसे कच्चे माल पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देते हैं, जबकि इनके तैयार माल पर 5 प्रतिशत जी.एस.टी. लगता है। इस ह्यइनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चरह्ल यानी कच्चे माल पर अधिक टैक्स व तैयार माल पर कम टैक्स के बीच का अंतर कारोबारियों को रिफंड या एडजस्ट करने का जी.एस.टी. कानून में स्पष्ट प्रावधान है। आई.टी.सी. रिफंड में 6 महीने से लेकर 1 साल की देरी के कारण कारोबारियों की वर्किंग कैपिटल फंसने से उन्हें महंगे ब्याज पर कर्ज उठाकर श्रमिकों की मजदूरी, बिजली के बिल, कच्चे माल की खरीद करनी पड़ती है या वे उत्पादन घटाने को मजबूर हैं। प्रतिस्पर्धा में पछाड़ती रिफंड में देरी : आई.टी.सी. रिफंड में देरी की दोहरी कीमत कारोबारियों को चुकानी पड़ रही है। पहली-नकदी संकट, जो एम.एस.एम.ई. को महंगे वर्किंग कैपिटल लोन की ओर धकेलता है। दूसरा-प्रतिस्पर्धा में गिरावट। देरी से मिलने वाले रिफंड के कारण उत्पादन पर लागत बढ ? से पंजाब के कारोबारी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व हरियाणा जैसे राज्यों के उद्योगों से पिछड़ रहे हैं, जहां आई.टी.सी. रिफंड प्रक्रिया तेज है। जी.एस.टी. दरें व स्लैब घटाए जाने के बाद रिफंड के दावे बढ़ने से समस्या और गंभीर हो गई है। अगर इसे जल्द नहीं सुलझाया गया, तो जो मसला अभी सिर्फ रिफंड में देरी का है, एक बड़ी औद्योगिक मंदी का रूप ले सकता है। ईज ऑफ डूइंग बिजनैस नए निवेश तक सीमित क्यों : पंजाब राइट टू बिजनैस (संशोधन) एक्ट 2025, लगभग 19 औद्योगिक मंजूरियां 5 से 18 दिन में देने का दावा करता है। लेकिन कारोबार को आसान बनाना सिर्फ नए प्रोजैक्टस को मंजूरी तक सीमित नहीं है। मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए कैश फ्लो सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है, जितना नए निवेश को तेज मंजूरी। अगर कानूनी प्रावधान के बावजूद आई.टी.सी. रिफंड लंबे समय तक लटके रहें तो कारोबार में सरकार के सुधार एजैंडे की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। समय पर आई.टी.सी. रिफंड कोई रियायत या सबसिडी नहीं, बल्कि यह कारोबारियों का कानूनी अधिकार है। गला काट प्रतिस्पर्धा के युग में उद्योगों के हालात ऐसे नहीं हैं कि वे सिस्टम की लापरवाही को लंबे समय तक अपने कंधों पर ढो सकें।

योग साधना के मंच पर निलेश यादव का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित शिक्षक-अधिकारी प्रतियोगिता में मुंबई के साकीनाका स्थित योगिराज श्री कृष्ण विद्यालय के सहायक शिक्षक निलेश डी. यादव ने योगासन स्पर्धा में एल वार्ड में प्रथम स्थान प्राप्त किया। तत्पश्चात जिला स्तर पर आयोजित स्पर्धा में भी उन्होंने पुनः प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंतिम निर्णायक प्रदेश स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 17-01-2026 को नांदेड में संपन्न हुआ जिसमें निलेश डी. यादव ने अपने अद्भुत, अतुलनीय और अविश्वसनीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर यादव संघ मुंबई के संचालक तथा समस्त स्टाफ को गर्व है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जगन्नाथ यादव, पर्यवेक्षक प्रकाश चंद्र यादव विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक तथा वरिष्ठ कवि लेखक एवं साहित्यकार रामकेश यादव ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

डॉ मंजू लोढ़ा को एक सप्ताह में मिला दो प्रतिष्ठित अवार्ड

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था लोढ़ा फाउंडेशन की चेयरमैन तथा वरिष्ठ साहित्यकार डॉ मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा को इस सप्ताह 2 प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राष्ट्र सेवा और समाज सेवा की क्षेत्र में जहां उन्हें राष्ट्रीय रत्न अवार्ड प्राप्त हुआ, वहीं सायबर अवेयरनेस तथा डिजिटल सेफ्टी के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के चलते व्हाट नाउ अवार्ड प्राप्त हुआ । देखा जाए तो डॉ मंजू लोढ़ा हमेशा से ही समाज को मजबूत करने की दिशा में समर्पित भावना के साथ काम कर रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, नारी सम्मान, देश भक्ति, पर्यावरण सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में उन्होंने रचनात्मक काम किया है। सायबर सुरक्षा की दिशा में उनके द्वारा किए गए कार्यों की गई। एक सप्ताह के भीतर दो अवार्ड मिलना गौरव की बात है। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अवार्ड मिलने से काम की जिम्मेदारी और गति बढ़ जाती है।

अलहिंद एकता फाउंडेशन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। सभी धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोने वाला संगठन अलहिंद एकता फाउंडेशन की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवध नगर स्थित फाउंडेशन कार्यालय पर सोमवार 26 जनवरी को 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों से गूंज उठा और वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही संविधान के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि गणतंत्र दिवस न केवल हमारे अधिकारों की याद दिलाता है, बल्कि हमारे कर्तव्यों का भी बोध कराता है। अंत में अलहिंद एकता फाउंडेशन की ओर से सभी उपस्थित लोगों का मुंह मीठा कराया गया तथा एक-दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। अलहिंद एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष इकरार अहमद सिद्दीकी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी।

लिटल्स ने अपने नए अभियान लाइफ इज हार्ड, स्विच टू सॉफ्टर के जरिये बच्चों के अनुभव पर दिया जोर

मुंबई/पटना। पीरामल फार्मा लिमिटेड के एक प्रभाग, पीरामल कंज्यूमर हेल्थकेयर (पीसीएच) ने बच्चों की देखभाल से जुड़े (बेबी केयर) अपने ब्रांड, लिटल्स के लिए एक नया डिजिटल अभियान, लाइफ इज हार्ड, स्विच टू सॉफ्टर (जीवन कठिन है, नरमी अपनाएं) लॉन्च किया है, जिसमें बच्चे को कहानी के केंद्र में रखा गया है। आम तौर पर बच्चों से जुड़े ज्यादातर संवाद माता-पिता से नुस्खे लेने, सलाह-मशविरा लेने और जरूरी काम की सूची पर टिके होते हैं लेकिन लिटल्स ने अपने अभियान में बच्चे के अनुभव को केंद्र में रखा है, जो अक्सर अनसुना रह जाता है। यह कहानी रोजामर्रा की सच्चाई पर आधारित है कि बच्चे चुपचाप ऐसी परेशानियों को सहते रहते हैं जिन्हें वे व्यक्त नहीं कर पाते, चाहे वह खुरदुरे से डायपर से होने वाली जलन हो, नहाने के साबुन आदि से पैदा होने वाला रूखापन हो, या किसी खास सामग्री से होने वाली परेशानी हो। ये पल बड़ों को सामान्य लग सकते हैं, लेकिन बच्चे के लिए, ये यह तय करते हैं कि दुनिया कितनी सुरक्षित, आरामदायक और महफूज महसूस होती है। इस नजरिए को सामने लाने वाला डिजिटल कथानक तीन फिल्मों के जरिए सामने आता है जो लिटल्स के फ्लफी सॉफ्ट डायपर, लिटल्स के ऑर्गेनिक्स मॉइस्चराइजिंग बेबी बेदिंग बार और लिटल्स ऑर्गेनिक्स बेबी लोशन पर केंद्रित हैं।

जेटसिंथेसिस x YouGov सर्वे में खुलासा: पटना के ई-स्पोर्ट्स एथलीट्स का करियर को लेकर बढ़ा भरोसा

मुंबई/पटना। भारत का ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। जेटसिंथेसिस और YouGov की पहली 'इंडियन ई-स्पोर्ट्स रिपोर्ट' के अनुसार, ई-स्पोर्ट्स एथलीट्स की बढ़ती महत्वाकांक्षा, इसे एक गंभीर खेल के रूप में देखने के नजरिए और दीर्घकालिक करियर विकल्प के रूप में इसकी स्वीकार्यता में भारी वृद्धि हुई है।

पटना में ई-स्पोर्ट्स करियर को लेकर जबरदस्त उत्साहपटना शहर में ई-स्पोर्ट्स को एक दीर्घकालिक करियर के रूप में देखने का विश्वास काफी मजबूत है। यहाँ 83% दैनिक ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों का मानना है कि ई-स्पोर्ट्स एक आर्थिक रूप से टिकाऊ करियर है, जिनमें से 44% ने इसे 'अत्यधिक व्यवहार्य' बताया है।

कल्याण के खड़ेगोलवली में युवक पर जानलेवा हमला

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के खड़ेगोलवली परिसर में गुंडागर्दी की घटना सामने आई है। 26 जनवरी की रात एक युवक पर चार बदमाशों ने लोहे की पाइप और लकड़ी के डंडों से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। कोळसेवाड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नही होने से पीड़ित परिवार आरोपियों को बचाने का आरोप कर रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित की पहचान सुशीलकुमार छत्रधारी सिंह (41) के रूप में हुई है, जो पंचवटी कॉलोनी, खड़ेगोलवली में परिवार के साथ रहते हैं और आंधेरी स्थित टाटा पावर कंपनी में निजी नौकरी करते हैं। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, घटना के समय वे भोजन के बाद अपने मित्र विनीत त्रिपाठी के साथ टहल रहे थे।

इसी दौरान काले रंग की अर्टिगा कार से आए चार युवक शेरखान किस्मतउल्ला खान, शाहरुख खान, विशाल यादव उर्फ दही और कुमार शेट्टी उर्फ अन्ना इडलीवाला ने उन्हें रोका और गाली-गलौज करते हुए धमकाना शुरू किया। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट की। आरोप है कि शाहरुख खान ने कार से लोहे की पाइप निकाली, जबकि अन्य ने लकड़ी के डंडों से सुशीलकुमार के सिर, दाहिने हाथ की कलाई और पीठ पर वार किए, जिससे वे लहूलुहान हो गए।

हमले के दौरान पीड़ित की मां प्रेमादेवी सिंह और मित्रों ने बीच-बचाव किया। सिर से खून बहता देख आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित को कोळसेवाड़ी पुलिस थाने ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के लिए रुक्मिणीबाई अस्पताल भेजा गया। हालत गंभीर होने के कारण आगे के इलाज के लिए उन्हें सायन अस्पताल, मुंबई रेफर किया गया।

कोळसेवाड़ी पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक धोंगडे कर रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खड़ेगोलवली परिसर में पिछले कुछ दिनों से बदमाशों का आतंक बढ़ा हुआ है। रात होते ही असामाजिक तत्व खुलेआम घूमते नजर आते हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आधा दर्जन गाड़ियों की तोड़फोड़ करने वाला गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के चक्की नाका स्थित जोजवाला रीजेंसी पार्क परिसर में रात के समय चार पहिया वाहन की तोड़फोड़ कर लैपटॉप चोरी करने की घटना सामने आई थी। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस कुछ घंटों के भीतर ही आरोपी को हथकड़ी लगाकर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़े गए आरोपी का नाम सुजल वाघचौरे (21) जो चक्की नाका के गोसावीपुरा का रहने वाला है। बतादें कि 28 तारीख की देर रात आरोपी ने सड़क किनारे खड़ी आई-20 कार का शीशा तोड़कर कार में रखा लैपटॉप चोरी कर लिया था। घटना की शिकायत मिलने के बाद कोलसेवाड़ी पुलिस की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से सुजल वाघचौरे को धरदबोचा।

रईस हाई स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर मेधावी छात्रों का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। केएमई सोसायटी के सह-सचिव नवीद बशीर खरबे ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष अल्माज फकीह सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के बाद मार्च-पास्ट और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति हुई। इसके पश्चात उर्दू बसेरा आडिटोरियम में चेयरमैन यासर तातली की अध्यक्षता में सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सोसायटी सचिव दानियाल काजी रहे। समारोह में छात्रों द्वारा नात, तराना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। सेकेंडरी व जूनियर कॉलेज के उच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों, सर्वाधिक उपस्थिति वाले वर्गों तथा नवनीत इंटर-स्कूल ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुरान की तिलावत से हुई। प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पुलिसकर्मी ने छोटे भाई की जान बचाने के लिए किया लिवर दान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बदलापुर के दो सगे भाइयों की साहस, त्याग और अटूट भाईचारे की एक भावुक कर देने वाली घटना सामने आई है। महाराष्ट्र पुलिस बल के एक जवान ने अपने छोटे भाई की जान बचाने के लिए अपने लिवर का एक हिस्सा दान कर दिया। डॉ. स्वप्निल शर्मा के नेतृत्व में वॉकहार्ट हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की गई। छोटे भाई को 'अक्यूट-ऑन-क्रॉनिक लिवर फेल्युअर' का गंभीर खतरा था, और लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प था।

महाराष्ट्र पुलिस के जवान ने कहा, पुलिस के रूप में हमें दूसरों की जान बचाने की ट्रेनिंग दी जाती है, लेकिन इस बार यह वर्दी या कर्तव्य की बात नहीं थी; यह मेरा छोटा भाई था। सर्जरी के बाद छोटे भाई ने कहा, मैं अपना जीवन अपने भाई को देना चाहता हूं। उन्होंने मुझे पुलिस के रूप में नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य के रूप में बचाया। बतादे की 38 वर्षीय छोटे भाई नित्यानंद रोकड़े को अत्यंत गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह एक्यूट-ऑन-क्रॉनिक लिवर फेल्योर से जूझ रहा था। उसे तेज पीलिया था, वह वेंटिलेटर और रक्तचाप बनाए रखने वाली दवाओं पर निर्भर था, और उसके बचने की एकमात्र उम्मीद तत्काल लिवर ट्रांसप्लांट थी। बिना एक पल गंवाए, महाराष्ट्र पुलिस में ही कार्यरत उसके बड़े भाई संतोष रोकड़े ने जीवित दाता बनने का निर्णय लिया।

सीमा सिंह ने बच्चों को कंबल वितरित कर बढ़ाई उनके चेहरों की मुस्कान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज के बच्चे ही कल के जिम्मेदार नागरिक, नेता, और राष्ट्र निमार्ता हैं। उनका शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और संस्कारित होना ही भारत के ₹विकसित और आत्मनिर्भर₹ बनने की मजबूत नींव है। यही कारण है कि प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह हमेशा बच्चों को प्रोत्साहित करती रहती हैं। बच्चों से उनका गहरा लगाव है, यही कारण है कि बच्चे उन्हें मां के नाम से बुलाते हैं। बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर उनकी हर आवश्यक जरूरत को पूरा करने का प्रयास करती है। इस समय जबकि मुंबई में ठंड मौसम है। गरीब परिवारों के पास अपने बच्चों

को ठंडी से बचाने के लिए गर्म कपड़ों की कमी है। इस बात का एहसास करते हुए सीमा सिंह ने आज बांद्रा पश्चिम के अलमेडा पार्क में संस्था से जुड़े सैकड़ो बच्चों को कंबल वितरित किया। एक एक बच्चे को उन्होंने अपने पास बुलाया और प्यार से उसके सिर पर हाथ रखकर मातृत्व का बोध कराते हुए कंबल वितरित किया। ठंड मौसम में कंबल प्रकार बच्चों के चेहरे खिल उठे। बच्चों को कंबल वितरित करते समय सीमा सिंह भी भावुक नजर आ रही थी। सीमा सिंह का मानना है कि अगर बच्चे स्वस्थ और शिक्षित है तो देश का भविष्य सुंदर है। पूरे देश में बच्चों के प्रति उनकी संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की जाती रही है। सीमा सिंह के प्रयासों से हजारों बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। आज उनकी संस्था के सहयोग से अनेक बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन कर रहे हैं।

दशनाम गोसावी समाज की ओर से महिलाओं के लिए हल्दी कुंकू कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दशनाम गोसावी समाज के सभी संगठनों की महिला पदाधिकारियों की पहल पर, घाटकोपर पश्चिम के SNDT कॉलेज में गोसावी समाज की महिलाओं के लिए हल्दी कुंकू कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह हल्दी कुंकू प्रोग्राम मुंबई दशनाम गोसावी संगठन, अखिल भारतीय गोस्वामी सभा दिल्ली महिला आघाड़ी, ठाणे जिला दशनाम गोसावी संगठन, नवी मुंबई दशनाम गोसावी संगठन ने आयोजित किया था। इस मौके पर घाटकोपर से गोसावी समाज के नवनिर्वाचित कॉर्पोरेटर धर्मेशभाई गिरी गोस्वामी, राजावाड़ी हॉस्पिटल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. प्राजक्ता गोसावी, पत्रकार संजय गिरी, फायर डिपार्टमेंट के ऑफिसर वृषाली ताई गोसावी, रवि पुरी गोसावी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस प्रोग्राम में समाज के नए चुने गए कॉर्पोरेटर धर्मेश गिरी को सम्मानित किया गया। इस बीच, धर्मेश गिरी ने आश्वासन

दिया कि वे समाज के काम में और समय पर पहल करेंगे। इस बीच, डॉ। रूपाली गोसावी ने महिलाओं के लिए कैंसर की देखभाल पर मार्गदर्शन किया। दशनाम गोसावी समाज की महिलाओं का यह हल्दी कुमकू कार्यक्रम अखिल भारतीय गोस्वामी सभा दिल्ली संगठन की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती उत्कर्षण घनश्याम गिरी, मुंबई दशनाम गोसावी संगठन की श्रीमती प्रणिता ताई गोसावी, ठाणे दशनाम गोसावी संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा विनोद गिरी, नवी मुंबई दशनाम गोसावी संगठन की डॉ। श्रीमती रूपाली गोसावी, अखिल भारतीय गोस्वामी सभा दिल्ली संगठन की ठाणे जिला महिला अध्यक्ष डॉ। श्रीमती अनीता गोस्वामी द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया। यह हल्दी कुमकुम कार्यक्रम मुंबई के विभिन्न हिस्सों से दशनाम गोसावी समाज की महिला सदस्यों के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में मुंबई के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में दशनाम गोसावी समाज की महिला सदस्यों ने भाग लिया।

मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए क्रांतिज्योती विद्यालय फिल्म को करमुक्त करने के लिये शिक्षण क्रांति संगठन की मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में दिए जाने पर जोर दिया गया है। इसी संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाली मराठी फिल्म क्रांतिज्योती विद्यालय को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे करमुक्त किए जाने की मांग की गई है। यह मांग फिल्म की टीम के साथ शिक्षण क्रांति संगठन की ओर से की गई है। इस संबंध में शिक्षा क्रांति संगठन द्वारा ठाणे जिल्हाधिकारी के माध्यम से राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशिष शेलार को निवेदन सौंपा गया। निवेदन में कहा गया कि यदि फिल्म को करमुक्त किया जाता है तो यह बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचेगी और राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर जिल्हाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाळ, निवासी उपजिल्हाधिकारी संदीप माने, फिल्म के निर्देशक हेमंत ढोमे, निमार्ता क्षिती जोग, अभिनेता अमेय वाघ, हरेश दुधाळे, शिक्षा क्रांति संगठन के राज्याध्यक्ष सुधीर घागस, कोकण विभाग कार्यवाह ज्ञानेश्वर गोसावी, उल्हासनगर महानगर अध्यक्ष राजेंद्र गवळी तथा ठाणे महानगर अध्यक्ष किशोर राठोड उपस्थित थे। शिक्षा क्रांति संगठन के राज्याध्यक्ष सुधीर घागस ने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षणिक अवधारणाएं अधिक मजबूत होती हैं, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी माध्यम से ही बच्चे बुद्धिमान बनते हैं, यह धारणा गलत है। क्रांतिज्योती विद्यालय फिल्म इस भ्रम को दूर कर मातृभाषा में शिक्षा के महत्व को अभिभावकों तक पहुंचाएगी। इस पर जिल्हाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल ने आश्वासन दिया कि फिल्म को करमुक्त करने के लिए शासन स्तर पर अनुशंसा की जाएगी।

पालघर में विशेष नागरिक सुरक्षा दल टी.ओ.टी. -12 प्रशिक्षण की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन गृह विभाग के अंतर्गत विशेष नागरिक सुरक्षा दल, जिला पालघर द्वारा टी.ओ.टी. -12 प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ पालघर नागरिक सुरक्षा कार्यालय में किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे (नागरिक सुरक्षा दल) के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बालविकास आयोग के महासचिव रवींद्र मिश्रा ने की। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया तथा प्रशिक्षकों की भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को समाज और प्रशासन के बीच सेतु बनकर कार्य करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण से जिले में नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों के रूप में अशोक कुमार रणखांब (उपमुख्य क्षेत्ररक्षक, पालघर विभाग), अजित राऊत (उपमुख्य क्षेत्ररक्षक), निलेश वझे (विभागीय क्षेयूत्ररक्षक, पालघर विधानसभा), नरेश मस्के (विभागीय क्षेत्ररक्षक, बोईसर विधानसभा), अनंत पीरकर(कार्यालय अधिकारी), दुर्घटनानंतर अधिकारी रवींद्र कृष्णा मिच्छी, सौ. पिनाली मोरे ((डहाणू विभागीय क्षेत्ररक्षक), रोहित जाधव (विभागीय क्षेत्ररक्षक, तलासरी), संगीता हाडल (दुर्घटनानंतर अधिकारी बोईसर), सुषमा जाधव, मास्टर ट्रेनर ज्योती मोरे, मेघना वैराल, डॉ. दीपेश पष्टे के अलावा अनेक अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

मुंबई में श्रीलंका टूरिज्म नेटवर्किंग ईवनिंग

मुंबई। भारत में अपने केंद्रित प्रचार प्रयासों के तहत, श्रीलंका टूरिज्म प्रमोशन ब्यूरो और श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो संयुक्त रूप से 03 फरवरी 2026 को मुंबई में श्रीलंका टूरिज्म नेटवर्किंग ईवनिंग का आयोजन करेंगे। यह कार्यक्रम एक बिजनेस-टू-बिजनेस नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें भारतीय ट्रैवल ट्रेड के प्रमुख निर्णयकर्ता—जैसे टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, टक्कए विशेषज्ञ, कॉर्पोरेट प्रतिनिधि, ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियां, एयरलाइंस और मीडिया—श्रीलंका के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ एक मंच पर आएंगे। इसका उद्देश्य व्यावसायिक साझेदारियों के अवसर तलाशना और बाजार में जुड़ाव को और मजबूत करना है।

इस नेटवर्किंग ईवनिंग के दौरान श्रीलंका को एक बहुआयामी और उच्च-मूल्य पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो अवकाश, लक्जरी, डेस्टिनेशन वेडिंग्स, टक्कए और अनुभवात्मक यात्रा के लिए उपयुक्त है। भारत से निकटता और सुदृढ़ हवाई कनेक्टिविटी के कारण श्रीलंका भारतीय यात्रियों के लिए विशेष रूप से आकर्षक है। कार्यक्रम में डेस्टिनेशन प्रेजेंटेशन, इंटरैक्टिव नेटवर्किंग सत्र और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी, जो सार्थक संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करेंगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में सड़क दुर्घटना में जीजा-साले की दर्दनाक मौत, बरही की खुशियां मातम में बदली

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के यादवनगर नई बस्ती में बुधवार की रात उस समय कोहराम

मच गया, जब एक दर्दनाक सड़क हादसे में जीजा-साले की मौके पर ही मौत हो गई। घटना ने बरही के खुशी भरे माहौल को पल भर में मातम में बदल दिया। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिकरारा थाना क्षेत्र के पोखरियापुर निवासी संतोष गौतम (पुत्र स्व. पन्नालाल गौतम) अपने साले गुड्डू गौतम के साथ रामपुर थाना क्षेत्र के औरा गांव के नई बस्ती में स्थित राहुल गौतम के घर आए हुए थे। यहां राहुल गौतम के घर पुत्री के जन्म के उपलक्ष्य में बरही का धूमधाम से आयोजन किया जा रहा था। कार्यक्रम को और बेहतर बनाने के लिए दोनों रात्रि करीब पौने आठ बजे बाइक से पास के अरविंद गौतम के यहां बैटरी लेने गए थे। बैटरी लेकर लौटते समय संतोष और गुड्डू अपने सिपाही गौतम (उम्र लगभग 18 वर्ष) को भी साथ ले रहे थे। जैसे ही वे नेशनल हाईवे 135 ए पर चढ़े, जौनपुर से भदोही की ओर जा रही एक अज्ञात तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष गौतम और गुड्डू गौतम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सिपाही गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवाया। घायल सिपाही गौतम को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस संबंध में थाना अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। घटना के बाद से मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।मृतक संतोष गौतम के तीन बच्चे है।

केराकत पुलिस ने जान से मारने की नियत एवं फायर करने वाले तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा जान से मारने की नियत से फायर करने वाले एवं मारपीट से सम्बन्धित अभियोग में वांछित तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक केराकत के नेतृत्व में थाना कोतवाली केराकत जौनपुर पर पंजीकृत मु0अ0स0- 0024/2026 धारा 191(2)/191(3)/ 115(2)/ 352/351 (3)/109(1) बीएनएस थाना केराकत जनपद जौनपुर मे नामित/वांछित आरोपी मुन्नालाल यादव उर्फ श्रीमत, मोनू यादव, रितेश यादव को थाना केराकत पर लाया गया। जिसको तस्दीक करते हुये आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा उपरोक्त मे चालान संबंधित न्यायालय किया गया।

सफाई कर्मी होने पर भी गांव की नालियाँ नहीं हो रही हैं साफ

जल भराव रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप जारी

शुभम कुमार यादव

धमार्पुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड धमार्पुर के ग्राम पंचायत बघंद्रा में नालियों में भराव व गंदगी कई महीनों से एकत्रित होकर पड़ी हुई हैं। जिससे कि आस पास के घरों पर दुष्य प्रभाव पड़ता हैं। जिसमें कि लोगों को संक्रमण का खतरा बना रहता हैं। सफाई कर्मी को सूचना देने के बाद भी इस पर जोर नहीं दिया गया। सफाई कर्मी आते तो समय से है लेकिन कहीं एक जगह भीड़ जुटाकर बैठे रहते हैं,और कहीं पर झाड़ू मारकर चले जाते हैं।जो कार्य ग्राम पंचायत में करना चाहिए उसको नहीं करते हैं। जिससे कि यह प्रतीत होता हैं कि ग्राम पंचायत बघंद्रा के ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान ने गांव की साफ सफाई पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं।

खतरे को दावत दे रहा विद्यालय में लगा विद्युत खंभा

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कंपोजिट विद्यालय लवायन के प्रांगण में लगा विद्युत खंभा नौनिहालों को खतरे का दावत दे रहा है। खंभा एक तरफ तिरछा हो गया है। प्रधानाध्यापक के द्वारा इसकी शिकायत कई बार विद्युत विभाग में की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की हुई। आरोप है कि तार के खिंचाव से खंभा तिरछा हो गया है। जो कभी भी जमीन पर गिर सकता है। वर्षों पूर्व उक्त विद्यालय में खेल के मैदान के मध्य खंभा गाड़ा गया था। जिससे बंधा तार गांव की तरफ ले जाया गया है। तार के खिंचाव से खंभा तिरछा हो गया है। जो कभी भी जमींदोज हो सकता है। मैदान में अक्सर छात्र खेलते रहते हैं। समय रहते इसे हटाया न गया तो कभी भी हादसा हो सकता है। गनीमत है कि यहां तीन फेस हटाकर एलटी लाइन जोड़ा गया है। जिसके चलते खंभे पर भार कम है। अन्यथा खंभा कब का गिर गया होता। प्रभारी प्रधानाध्यापक महेंद्र ने बताया कि इसकी शिकायत खंड शिक्षा अधिकारी, एसडीओ शाहगंज और जेई को लिखित रूप में देकर की गई है। बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

मत्स्य विभाग में मत्स्य पालकों एवं मछुआरों के लिए 31 जनवरी को वृहद पंजीकरण शिविर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य शाहिद जमाल ने अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह समृद्धि योजना के तहत जनपद जौनपुर के मछुआरों, नाविकों और मत्स्य व्यवसाय से जुडे.लोगों के लिए बड़ा अवसर आने वाला है, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, जौनपुर द्वारा 31 जनवरी 2026 को जनपद के 06 स्थानों पर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह स्थान इस प्रकार है, ग्राम बलुआ, चन्दवक, केराकत, ग्राम-ताजूद्दीनपुर मड़ियाहूँ, ग्राम-परधानपुर, जलालपुर, केराकत, ग्राम-कोहड़ा सुल्तानपुर, पंचायत भवन करंजाकला, ग्राम-नौली मत्स्य प्रक्षेत्र गूजरताल, खेतासराय, कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण, जौनपुर। समस्त मछुवारों एवं मत्स्य पालक बन्धुओं से अनुरोध है कि उक्त स्थान पर 31 जनवरी 2026 पूर्वान्ह 10:00 बजे उक्त स्थान पर पहुंच कर अधिक से अधिक पंजीकरण कराये।

प्रेषक ने किया सुनवाई प्रक्रिया का निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संयुक्त सचिव, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार/विशेष रोल प्रेक्षक कुणाल आई.ए.एस. के द्वारा जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सिरकोनी में एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी करने तथा साक्ष्य मिलान हेतु सुनवाई प्रक्रिया के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित एईआरओ से जानकारी प्राप्त किया कि अब तक कितनी नोटिस निर्गत की गयी है और कितने की मैपिंग हुई है। उन्होंने फीडिंग के डाटा तथा प्रक्रिया के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि लोगों की मैपिंग कराकर ही फीडिंग की जाए। इस अवसर पर ईआरओ अजय उपाध्याय, खण्ड विकास अधिकारी नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

सहखातेदार की जमीन से मिट्टी चोरी मामले पर कोर्ट सख्त, दिया एफआईआर दर्ज करने का निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत सद्धोपुर गांव में सहखातेदारों की भूमि से बिना अनुमति के मिट्टी निकालकर बेचने के मामले में जनपद न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। माननीय न्यायालय ने धारा 173(4) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए थाना सरायख्वाजा को संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर विधि अनुसार विवेचना करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी शिवश्याम सिंह निवासी सद्धोपुर थाना बक्शा जिला जौनपुर द्वारा न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि वह और उनके भाई उदयभान, घनश्याम, तेजभान, स्व. इन्द्रभान, राधेश्याम, ललितभान सहित अन्य सहखातेदार आराजी संख्या 115 के भूमिधर हैं। इसी आराजी में विनय कुमार सिंह भी सहखातेदार हैं।

आरोप है कि दिनांक 16 मई 2025 की रात्रि में विनय कुमार सिंह द्वारा बिना सहखातेदारों की अनुमति जेसीबी मशीन से लगभग तीन फीट गहरी मिट्टी खुदाई कर बेच दी गई तथा कुछ मिट्टी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से ले जाकर अपने कब्जे में रख ली गई। प्रार्थी पक्ष द्वारा शिकायत किए जाने पर खनन निरीक्षक जौनपुर ने 5 जून 2025 को रिपोर्ट प्रस्तुत कर बिना सहखातेदारों की सहमति के खनन कार्य होने की पुष्टि की और थाने में शिकायत दर्ज किए जाने को उचित बताया। वहीं राजस्व लेखपाल की रिपोर्ट में भी आराजी संख्या 115 के कुछ भाग से मिट्टी निकाले जाने की पुष्टि हुई। इसके बावजूद थाना स्तर पर एफआईआर दर्ज न कर केवल निरोधात्मक कार्रवाई की गई। न्यायालय ने मामले के सभी तथ्यों, परिस्थितियों तथा उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णयों के आधार पर माना कि प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराना न्यायोचित है। आदेश में न्यायालय ने स्पष्ट किया कि थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर प्रकरण में सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार जांच सुनिश्चित करे। वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता शेषनाथ सिंह सोलंकी ने पैरवी की, जबकि अभियुक्त विनय सिंह जौनपुर रेलवे स्टेशन पर पार्सल बाबू के पद पर कार्यरत हैं। इस आदेश के बाद मामले में कानूनी कार्रवाई तेज होने की संभावना है।

योगी कैबिनेट का फैसला, 12 लाख शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के शिक्षकों को योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। अब शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की तरह ही कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दो दी गई है। इस फैसले से 11.92 लाख से ज्यादा शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा। इस फैसले को आयुष्मान व्यवस्था के माध्यम से लागू किया जाएगा। इस फैसले से शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व रसोइया सभी लाभांवित होंगे। इस फैसले के क्रियान्वयन में 358.61 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग को भी कैशलेस सुविधा की मंजूरी दे दी गई है। इससे दो लाख 97 हजार 579 कर्मचारी लाभांवित होंगे। वहीं, सरकार 89.25 करोड़ रुपये का व्यय भार पड़ेगा। हालांकि, जो कर्मचारी पहले से ही किसी सरकारी योजना जैसे आयुष्मान से आच्छादित हैं उन्हें इसका लाभ नहीं दिया जाएगा। बता दें कि कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते साल के पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए कैशलेश चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की थी। विभाग की ओर से इस योजना को आयुष्मान योजना की तरह लागू करने की तैयारी है। यह सुविधा पूरी तरह कैशलेश है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 32 में से 30 प्रस्ताव पास हो गए। सिर्फ 14वां और 17वां प्रस्ताव ही रोका गया।

देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जनपद जौनपुर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इसी क्रम में नगर के मियांपुर क्षेत्र स्थित सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मदरसे के प्रांगण में गरिमामय ढंग से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संस्था के संरक्षक एवं पदाधिकारियों द्वारा तिरंगा फहराने के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें राष्ट्रभक्ति गीत, नृत्य एवं प्रेरणादायक वक्तव्यों ने उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को बनाए रखने का संदेश दिया। साथ ही बच्चों को शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक, पदाधिकारी, सदस्यगण के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। गणतंत्र दिवस का यह आयोजन सामाजिक समरसता और देशप्रेम की भावना को सशक्त करने वाला रहा।

शाहगंज पुलिस ने रेलवे में नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठने वाले आरोपी किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा रेलवे में नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठने वाला वांछित 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार।

पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण: दिनांक 28.01.2026 को सैय्यद रिजवानुल हसन पुत्र स्व0 सैय्यद मोहम्मद हबीब निवासी ग्राम मुस्तफाबाद पो0-राउतमऊ थाना जहानागंज जनपद आजमगढ़ द्वारा बाबत रेलवे विभाग में टी.सी. के पद पर नियुक्त करने हेतु धोखाधडी करते हुए रुपये लेना, फर्जी बेबसाइट से रिजल्ट घोषित कराना व वर्धमान बंगाल रेलवे स्टेशन पर भेजकर ट्रेनिंग के नाम पर बायोमैट्रिक मशीन द्वारा हस्ताक्षर लेने आदि के संबंध में दिये गये प्रार्थना पत्र पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 0025/2026 धारा 319(2),318(4),338,336(3),340(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 पंजीकृत होकर विवेचना प्रचलित थी।

गिरफ्तारी का विवरण: आज दिनांक 29.01.2026 को समय 13:20 बजे उ0नि0 लौहर यादव मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त संजय कुमार पुत्र स्व0 हरिराम निवासी ताखा पश्चिम थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को चिरैया मोड़ से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सादा जीवन, उच्च विचार के प्रतिमूर्ति थे रज्जू भैया: प्रो.राजाराम यादव

रज्जू भैया का जीवन शिक्षा और समाज को समर्पित रहा: प्रो.अरविंद दीक्षित

प्रो.राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया' की जन्म जयंती पर स्मृति व्याख्यान आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा प्रो. राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया' की जन्म जयंती पर स्मृति व्याख्यान एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा कि रज्जू भैया सरलता, सहजता और आत्मीयता के प्रतीक थे। उन्होंने रज्जू भैया के जीवन के संस्मरण साझा करते हुए बताया कि प्रयागराज विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष रहने के बाद 1966 में उन्होंने पद त्यागकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आजीवन प्रचारक के रूप में राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया। 1994 में वे संघ के चौथे सरसंघचालक बने। प्रो. यादव ने बताया कि उनकी स्मृति में 2018 में इस संस्थान की स्थापना उनके प्रयासों से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई। मुख्य अतिथि आगरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरविंद दीक्षित ने कहा कि रज्जू भैया ने शिक्षक-विद्यार्थी संबंध को सरल और आत्मीय बनाए रखा। वे मितव्ययी थे और वेतन का अधिकांश भाग विद्यार्थियों की सहायता एवं सामाजिक कार्यों में लगाते थे। उनका जीवन शिक्षा और समाज के प्रति समर्पित रहा। विशिष्ट अतिथि सह-विभाग प्रचारक प्रेम प्रकाश ने कहा कि रज्जू भैया ने शिक्षण के साथ समाजसेवा को सर्वोपरि रखा तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव केशलाल ने कहा कि ऐसे स्मृति व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अल्ट्रासोनिक तकनीक से उद्योग जगत को मिलेगा नया आयाम

◆ अनुराग सिंह को पीएच.डी. उपाधि की संस्तुति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंसेज फॉर स्टडी एंड रिसर्च में भौतिक विज्ञान विषय के अंतर्गत शोधार्थी अनुराग सिंह की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) उपाधि हेतु सार्वजनिक मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर अनुराग सिंह ने औद्योगिक प्रयोजनों के लिए एडवांस मैटेरियल्स के यांत्रिक, ऊष्मीय एवं पराश्रव्य (अल्ट्रासोनिक) गुणधर्मों का अध्ययन विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उनके शोध कार्य में उन्नत सामग्रियों की प्रत्यास्थता, तन्यता, कठोरता, ऊष्मीय चालकता तथा पराश्रव्य तरंगों की क्षीणता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, जिससे औद्योगिक उपयोग हेतु उपयुक्त सामग्रियों की पहचान संभव हो सके। मौखिक परीक्षा समिति में विषय विशेषज्ञ प्रो० (डॉ०) राजाराम यादव, पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं शोध निर्देशक प्रो० देवराज सिंह सहित संस्थान के प्राध्यापकगण और शोधार्थी उपस्थित रहे। शोध निर्देशक प्रो० देवराज सिंह ने बताया कि अनुराग सिंह अपने शोधकाल में अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में 15 शोध पत्र प्रकाशित कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। समिति ने उनके उत्कृष्ट शोध, गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए अनुराग सिंह को पीएचडी (भौतिकी) उपाधि प्रदान करने की संस्तुति की।

संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर राजनैतिक दलों के साथ हुई समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संयुक्त सचिव, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार/विशेष रोल प्रेक्षक कुणाल (आई.ए.एस.) की अध्यक्षता में गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) के सम्बन्ध में ईआरओ एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। विशेष रोल प्रेक्षक के आगमन पर जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र तथा राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण द्वारा पुष्पगुच्छ तथा अंगवस्त्रम प्रदान कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

बैठक में अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) से संबंधित कार्यों को लेकर समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई तथा सुझाव लिये गये। इस दौरान विशेष रोल प्रेक्षक जी को जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में एसआईआर के दौरान निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार घर-घर गणना पत्रों का वितरण किया गया, डिजिटाइजेशन किया गया तथा मृतक, अनुपस्थित, शिफ्टेड के डाटा को अनमैप्ड की श्रेणी में रखा गया। 06 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया। एसआईआर के दौरान सभी राजनैतिक दलों के साथ लगातार बैठक कर अद्यतन जानकारी दी गई। द्वितीय फेज 06 जनवरी 2026 के बाद अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस निर्गत की जा रही है।

इस दौरान प्रेक्षक द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण से फीडबैक भी लिया गया, जिसके क्रम में सभी के द्वारा बताया गया कि एसआईआर के कार्यों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्राप्त हुआ।

विशेष रोल प्रेक्षक ने सभी ईआरओ को निर्देश दिया कि राजनैतिक दलों के साथ समन्वय कर एसआईआर के कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादित करें।

विशेष रोल प्रेक्षक जी द्वारा उपस्थित राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण से एसआईआर के संबंध में सुझाव लेते हुए आश्वस्त किया गया कि उनके द्वारा दिए गए सुझाव पर विचार हेतु उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

साथ ही उन्होंने सभी ईआरओ से विधानसभावार मैपिंग की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली तथा जनसुनवाई केंद्र बनाकर अनमैप्ड मतदाताओं के साक्ष्य मिलान हेतु सुनवाई किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होने निर्देश दिया कि सभी ईआरओ, एईआरओ के साथ बैठक भी अवश्य कर ले।

विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति, जिलाध्यक्ष सपा राकेश मौर्य, जिला अध्यक्ष अपना दल लालबहादुर पटेल, भाजपा से यादवेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष कांग्रेस राकेश सिंह, सीपीआईएम से के.एस. रघुवंशी, भाजपा से सुदर्शन सिंह, आम आदमी पार्टी से सुभाष चंद्र गौतम सहित अन्य सम्मानित प्रतिनिधिगण हीरालाल विश्वकर्मा, गुलाबचंद यादव, आरिफ हबीब, श्याम बहादुर यादव, विजय कुमार पटेल, पियूष गुप्ता, संजीव भारती, स्कंद कुमार पटेल, जयप्रकाश पटेल, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नन्दन सिंह, सभी संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) सहित अन्य उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानाध्यापिका नूरजहां ने ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

दानिश सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कंपोजिट विद्यालय रान्नो की पूर्व प्रधानाध्यापिका नूरजहां ने ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। एक सादे और शोकाकुल माहौल में, नूरजहां ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मनोज यादव के साथ बिताए गए समय और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। चित्र पर पुष्प अर्पित करते समय नूरजहां काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि मनोज यादव का असमय जाना समाज और क्षेत्र के लिए एक अपूर्णीय क्षति है।

पूर्व प्रधानाध्यापिका ने बताया कि विद्यालय और शिक्षा के प्रति मनोज यादव का हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रहा, जिससे स्थानीय विकास को गति मिली। वहां मौजूद अन्य लोगों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की। मनोज यादव केवल एक नेता नहीं, बल्कि क्षेत्र के अभिभावक समान थे। उनका व्यक्तित्व सादगी और सेवा का प्रतीक था।

गणतंत्र दिवस पर सोनाराम का हुआ सम्मान

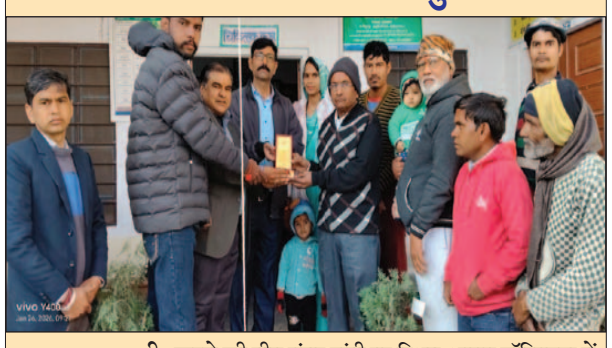

उदयपुरवाटी। कस्बे की तीन नंबर चुंगी पर स्थित आयुष हॉस्पिटल में 77 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने इस वार्ड के हर साल एक वरिष्ठ जन को गेस्ट ऑफ ऑनर का अतिथि सम्मान देते आए हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस बार लोकतंत्र सेनानी सोनाराम को कुमावत को यह सम्मान प्रदान किया गया है इस अवसर पर प्रजापति धर्मशाला के अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल,वरिष्ठ जन गोधूराम कुमावत,राजू हलवाई,सुरेश चायवाला,रवि माली,विजय कुमार शर्मा (कंपाउडर),योग प्रशिक्षक विकास कुमावत,रहीम तेली,अजीत सैनी गुढा,सुमन सैनी नर्स,बजरंग लाल कुमावत, नाथूराम,रोहतास कुमार,मुकेश कुमावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

इंदौर दूषित पानी की सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुशील कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में होगी जांच

-प्रणीत तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से होने वाली मौतों पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतंत्र जांच के आदेश दिए हैं। जिसमें सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जांच होगी और चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी गई है। बताया जाता है कि दूषित पेयजल से 30 लोगों की मौत हो चुकी है । और सरकारी आंकड़ों में विसंगतियों के बाद कोर्ट ने जांच पैनल गठित किया । विरोध प्रदर्शन के बीच कोर्ट ने स्वच्छ पानी उपलब्ध करना राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी बताया है। शहर में दूषित पेयजल और अन्य जन मुद्दों को लेकर युवा कांग्रेस नेताओं की न्याय पदयात्रा शुरू हो गई है। जो कि इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी । शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की सतर्कता जारी है। पुलिस के द्वारा अपराध रोकने का भी जोर दार मुहिम चलाई जा रही है।

वीवो क्रिकेट लीग 2026 भव्य शुभारंभ, 8 कॉलेज की टीम हुई शामिल

पटना(उत्तरशक्ति)। राजधानी पटना में युवाओं के क्रिकेट कौशल को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से वीवो क्रिकेट लीग 2026 के इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम, क्रिकेटर और भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान अमीकर दयाल, पूर्व रणजी ट्रॉफी प्लेयर राम कुमार, निखिलेश रंजन, बिहार क्रिकेट के कोच प्रमोद कुमार, वीवो मोबाइल के सीनियर रिटेल मैनेजर आयुष कुमार, ब्रांच मैनेजर बिहार मनीष कुमार सिंह, मोहित कुमार , कोमल कन्नन एवं वीवो एक्सक्लूसिव हेड बिहार रणधीर कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर उपस्थित बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने इस टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सबा करीम ने कहा कि इंटर कॉलेज स्तर के ऐसे टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यहीं से प्रतिभाओं को निखरने और आगे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में अनुशासन, फिटनेस और खेल भावना का होना बहुत जरुरी है।

वहीं वीवो मोबाइल के सीनियर रिटेल मैनेजर आयुष कुमार ने कहा कि 20 ओवर के नॉक आउट मैच वाले इस टूर्नामेंट में पटना सहित राज्य के विभिन्न कॉलेजों की आठ टीमें भाग ले रही हैं जिनमें वीवीआईटी ड्रैगन्स, जेवियर्स वारियर्स, आइजीआइएमएस ग्लैडिएटर्स, गया बुल्स, एमआईटी टाइगर्स, केईसी पाइरेट्स, बीआईटी पैंथर्स और एनआईटी सुपरकिंग्स शामिल है। उन्होंने कहा कि वीवो क्रिकेट लीग 2026 का उद्देश्य युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का अनुभव देना और नई प्रतिभाओं की खोज करना है। दर्शकों को पूरे टूर्नामेंट के दौरान रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। वीवो क्रिकेट लीग 2026 का समापन 6 फरवरी, 2026 को होगा। आयुष ने बताया कि विजेता को 1 लाख, उप विजेता को 75000 व तृतीय स्थान लाने वाले को 25000 का पुरस्कार दिया जाएगा। वीवो क्रिकेट लीग 2026 आने वाले दिनों में क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा और युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगा। उद्घाटन समारोह में खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य अतिथि, कॉलेज प्रतिनिधि, कोच, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन मृत्युञ्जन झा एवं अमान फरीदी ने किया।

पुलिस ने दो गांजा तस्करको गिरफ्तार किया

कानपुर देहात। रनियां थाना पुलिस व एसओजी ने गुरुवार शाम रायपुर के पास से गुजर रहे फेरी लगाकर टब व बाल्टी बेचने वाले दो युवकों की तलाशी ली। पुलिस को बाल्टियों के अंदर गांजा मिला। दोनों तस्करों की निशानदेही पर पुलिस ने रायपुर की एक बंद फैक्टरी के गोदाम में छापा मारा। पुलिस के आने की भनक लग जाने पर सरगना पीछे के रास्ते से भाग निकला। पुलिस ने मौके से 90 पैकेट में करीब 50 लाख रुपये का गांजा बरामद किया है। रनियां थानाध्यक्ष एसएन सिंह ने बताया कि वह एसओजी प्रभारी जय प्रकाश शर्मा व टीम के साथ गुरुवार शाम को रायपुर चौराहा के पास चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने फेरी लगाकर प्लास्टिक के टब व बाल्टी बेचने वाले दो युवकों को रोक कर तलाशी ली। उनकी बाल्टियों में गांजा मिला। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम कानपुर नगर के सचेंडी निवासी आर्यन, चकेरी थाना क्षेत्र के लाल बंगला हरजेंदर नगर निवासी अनुज कुमार बताया। आरोपियों ने बताया कि धारा सिंह गांजा मंगवाता है और एक बंद फैक्टरी में गांजा रखता है।

डीलर से संपर्क होने के बाद वह दोनों जिले के गांवों के साथ कानपुर नगर, औरैया जालौन, कन्नौज में मोपेड से फेरी लगाकर टब व बाल्टी बेचने के बहाने से गांजा पहुंचाने जाते थे। गुरुवार को भी वह दोनों गांजा तस्करी करने के लिए निकले थे। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों के साथ पहाड़पुर रोड पर रिंद नदी के किनारे स्थित कानपुर नगर निवासी जीतेंद्र कुमार की बंद पड़ी फैक्टरी में छापा मारा। पुलिस के पहुंचते ही तस्करों का सरगना घाटमपुर पतारा निवासी धारा सिंह फैक्टरी के पिछले गेट से भाग निकला। फैक्टरी के गोदाम की तलाशी लेने पर चार झालों में 90 पैकेट गांजा मिला है। इसमें प्रत्येक पैकेट करीब एक किलो का है।

वैवाहिक बलात्कार अपवाद के खिलाफ दुनिया की सबसे लंबी साड़ी का अनावरण किया गया

मुंबई। महिलाओं की गरिमा और न्याय का सशक्त प्रतीक बनी इन्फिनिट साड़ी जिस का अनावरण सोमवार रात संयुक्त राष्ट्र से मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था 'रेड डॉट फाउंडेशन' की ओर से रॉयल ओपेरा हाउस में किया गया। इस अवसर पर राजनेता, राजनयिक, सामाजिक कार्यकर्ता, इन्फ्लुएंसर्स, घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाएं ओर समर्थक एक मंच पर जुटे और भारतीय दंड संहिता से वैवाहिक बलात्कार अपवाद हटाने की एकजुट मांग की।

चार किलोमीटर में फैली इन्फिनिट साड़ी अब तक बनाई गई दुनिया की सबसे लंबी साड़ी है। मशहूर फैशन डिजाइनर निवेदिता

साबू द्वारा तैयार की गई यह साड़ी कढ़ाई और विशेष प्रिंट के जरिए न्याय की मांग को सामने रखने वाली एक प्रतीकात्मक याचिका का रूप लेती है, जिस पर सैकड़ों हस्ताक्षर दर्ज हैं। तेज और प्रभावशाली रंगों में तैयार यह साड़ी इतनी लंबी है कि ताजमहल के आधार को दो बार घेरा जा सकता है। इस मौके पर रेड डॉट फाउंडेशन की सह-संस्थापक और सी.ई.ओ सुप्रीत के. सिंह ने कहा, 'इन्फिनिट साड़ी' पर किया गया हर हस्ताक्षर साहस का एक धागा है और इसकी हर तह उस अधिकार की गवाही देती है, जिसके तहत महिला अपनी इच्छा से हां या ना कह सकती है और चुप रहने के लिए मजबूर नहीं की जा सकती। यह उन लोगों की आवाज है, जो मानते हैं कि सहमति एक मानव अधिकार है, कोई वैवाहिक विशेषाधिकार नहीं। भारत में हर साल घरेलू और यौन हिंसा के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन पीड़ितों का बड़ा हिस्सा होने के बावजूद विवाहित महिलाएं अब भी कानूनी संरक्षण से वंचित हैं, क्योंकि वैवाहिक बलात्कार को अपराध नहीं माना गया है।

साबू ने कहा, इन्फिनिट साड़ी संस्कृति के जरिए उसी संस्कृति को चुनौती देने और उसमें सुधार लाने की कोशिश है। नारीत्व के एक प्राचीन भारतीय प्रतीक को सम्मान देते हुए, यह समानता और बदलाव की पहल बनता है। मुझे गर्व है कि मैंने ऐसी रचना तैयार की है, जो गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक अर्थ अपने साथ लेकर चलती है। अभिनेता और अभियान के एंबेसडर राहुल भट्ट ने कहा, हममें से ज्यादातर लोग यह मानते हुए बड़े होते हैं कि घर हर किसी के लिए सबसे सुरक्षित जगह होती है, लेकिन कई महिलाओं के लिए ऐसा नहीं है। सबसे कठिन सच यह है कि कई बार महिला को उसी व्यक्ति से हिंसा झेलनी पड़ती है, जिससे वह प्यार करती है, और हमारे कानून आज भी उसे पूरी तरह सुरक्षा नहीं दे पाते। हर महिला गरिमा, सम्मान और सुरक्षित महसूस करने के बुनियादी अधिकार की हकदार है, खासकर अपने ही घर में। यह सिर्फ कानूनी मुद्दा नहीं है, यह इंसानियत का सवाल है। मैंने आपराधिक कानून से वैवाहिक बलात्कार अपवाद हटाने की याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं और मुझे उम्मीद है कि आप भी ऐसा करेंगे।

मुलुंड पूर्व में श्री भागणे प्रतिष्ठान संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

मुंबई। मुलुंड पूर्व स्थित जी. व्ही. स्कीम म्युनिसिपल स्कूल में विगत रविवार को श्री भागणे प्रतिष्ठान संस्था (दिवा, कल्याण, मुलुंड, घाटकोपर) की ओर से भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 9 बजे से अत्यंत उत्साह और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ संपन्न हुआ।

हमारे रक्तदान से किसी को जीवनदान मिलेगा – इसी प्रेरणादायी सोच के साथ आयोजित इस शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों से लोगों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का आयोजन श्री भागणे जी की ओर से किया गया था।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष, युवा ब्रिगेड एसोसिएशन) उपस्थित रहे। साथ ही कुनबी सामाजिक संघ के अध्यक्ष विजयक घाणेकर, उपाध्यक्ष संजय गांवणे, युवा अध्यक्ष महेंद्र विनायक मंडावकर एवं पूर्व महासचिव अरविंद म्हादलेकर की गरिमामयी उपस्थिति में शिविर संपन्न हुआ।

श्री भागणे प्रतिष्ठान संस्था के प्रमुख कार्यकारी महेश भागणे, अध्यक्ष संतोष भागणे, कार्याध्यक्ष गजानन भागणे, उपाध्यक्ष तनाजी भागणे, सचिव मनीष भागणे, उपसचिव राहुल मांजरेकर, कोषाध्यक्ष शैलेश भागणे, सह-कोषाध्यक्ष निलेश भागणे सहित महिला मंडल की कार्यकर्ता प्रिया भागणे, तेजस्वी भागणे, भारती भागणे, रतन भागणे, श्रेया भागणे, श्वेता भागणे, निर्था भागणे एवं अंकिता भागणे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। केशरी मित्र मंडल एवं कुनबी समाज विकास संघ, मुलुंड की ओर से भी शिविर को भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ। इस रक्तदान शिविर में कुल 80 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें से 70 रक्तदाताओं ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। श्री भागणे प्रतिष्ठान संस्था द्वारा आयोजित यह रक्तदान शिविर पूर्णतः सफल रहा। इस अवसर पर संस्था की ओर से सभी रक्तदाताओं, अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सीमा सिंह ने बच्चों को कंबल वितरित कर बढ़ाई उनके चेहरों की मुस्कान

मुंबई। आज के बच्चे ही कल के जिम्मेदार नागरिक, नेता, और राष्ट्र निमार्ता हैं। उनका शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और संस्कारित होना ही भारत के विकसित और आत्मनिर्भरर बनने की मजबूत नींव है।

यही कारण है कि प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह हमेशा बच्चों को प्रोत्साहित करती रहती हैं। बच्चों से उनका गहरा लगाव है, यही कारण है कि बच्चे उन्हें मां के नाम से बुलाते हैं। बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर उनकी हर आवश्यक जरूरत को पूरा करने का प्रयास करती है। इस समय जबकि मुंबई में ठंड मौसम है। गरीब परिवारों के पास अपने बच्चों को ठंडी से बचाने के लिए गर्म कपड़ों की कमी है।

इस बात का एहसास करते हुए सीमा सिंह ने आज बांद्रा पश्चिम के अलमेडा पार्क में संस्था से जुड़े सैकड़ो बच्चों को कंबल वितरित किया। एक एक बच्चे को उन्होंने अपने पास बुलाया और प्यार से उसके सिर पर हाथ रखकर मातृत्व का बोध कराते हुए कंबल वितरित किया। ठंड मौसम में कंबल प्रकार बच्चों के चेहरे खिल उठे। बच्चों को कंबल वितरित करते समय सीमा सिंह भी भावुक नजर आ रही थी। सीमा सिंह का मानना है कि अगर बच्चे स्वस्थ और शिक्षित है तो देश का भविष्य सुंदर है। पूरे देश में बच्चों के प्रति उनकी संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की जाती रही है। सीमा सिंह के प्रयासों से हजारों बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। आज उनकी संस्था के सहयोग से अनेक बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन कर रहे हैं।

जारो इंस्टीट्यूट का तीसरी तिमाही में दमदार वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (Q3 FY26) में दमदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। राजस्व में जोरदार बढ़ोतरी, बेहतर परिचालन क्षमता और खर्चों पर सख्त नियंत्रण की वजह से कंपनी के मुनाफे में शानदार सुधार हुआ है। सितंबर 2025 में आए आईपीओ के बाद यह कंपनी का दूसरा वित्तीय परिणाम है। आय में वृद्धि तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 6,000.96 लाख रुपये रहा। यह पिछले साल की इसी तिमाही (4,329.18 लाख रुपये) के मुकाबले 38.6% की सालाना वृद्धि दर्शाता है। कंपनी की अन्य आय भी 19.52 लाख रुपये से बढ़कर 179.51 लाख रुपये हो गई। इसके परिणामस्वरूप, कुल आय 42.12% बढ़कर 6,180.47 लाख रुपये पर पहुंच गई। इस तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 5,246.98 लाख रुपये रहा, जिसमें सालाना आधार पर केवल 7.53% की वृद्धि हुई। आय में हुई 42.12% की भारी बढ़ोतरी के मुकाबले खर्चों में यह बढ़त काफी कम है। कर्मचारियों पर होने वाला खर्च 1,946.92 लाख रुपये पर लगभग स्थिर रहा, जबकि अन्य खर्च कारोबार के विस्तार के साथ बढ़े।

कंपनी के कामकाज के प्रदर्शन में बड़ा सुधार हुआ है। इस तिमाही में इबीआईटीडीए 1,229.36 लाख रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 102.18 लाख रुपये का घाटा हुआ था। इबीआईटीडीए मार्जिन भी -2.35% से सुधरकर 19.89% हो गया है, जो बेहतर कार्यक्षमता को दर्शाता है। मुनाफे के हर स्तर पर मजबूती दर्ज की गई। कर-पूर्व लाभ 933.49 लाख रुपये रहा, जबकि पिछले साल 530.76 लाख रुपये का घाटा था। इसी तरह, कंपनी ने 703.06 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि पिछले साल 388.87 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। ढअळ मार्जिन भी -8.94% से बढ़कर 11.38% हो गया। आईपीओ के बाद जारो का यह मजबूत प्रदर्शन मुनाफे वाली ग्रोथ और खर्चों के सही प्रबंधन पर कंपनी के फोकस को दिखाता है। राजस्व में तेजी और मार्जिन में सुधार के साथ, जारो आने वाली तिमाहियों में भी अपनी तरक्की और मुनाफे की रफ्तार बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बोरिंग रोड में खुला एसर का तीसरा एक्सक्लूसिव स्टोर, ग्राहकों को मिलेगा अत्याधुनिक तकनीक का अनुभव

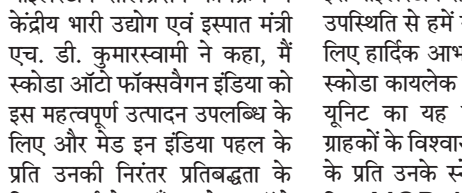

पटना। दुनिया की अग्रणी टेक्नोलॉजी कंपनी एसर ने पटना में अपने तीसरे एक्सक्लूसिव स्टोर का शुभारंभ किया है। यह नया स्टोर राजधानी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र बोरिंग रोड में खोला गया है, जहां ग्राहकों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस उत्पादों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा। यह स्टोर कृष्णा एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा है। यहां एसर के नवीनतम लैपटॉप, प्रीमियम गेमिंग डिवाइस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर सिस्टम और अन्य आधुनिक तकनीकी उत्पादों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। स्टोर को विशेष रूप से इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्राहक तकनीक को केवल देख ही नहीं, बल्कि स्वयं उपयोग कर उसकी कार्यक्षमता और विशेषताओं को समझ सकें। कंपनी अधिकारियों ने बताया कि यह स्टोर एसर की देशव्यापी विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसके तहत टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया जा रहा है। एसर का लक्ष्य वर्ष 2026 तक भारत में 350 से अधिक एक्सक्लूसिव स्टोर खोलने का है। बोरिंग रोड स्थित यह स्टोर छात्रों, प्रोफेशनल्स, गेमर्स और आम उपभोक्ताओं के लिए एक ही स्थान पर आधुनिक तकनीकी समाधान उपलब्ध कराएगा। पटना में तीसरे एक्सक्लूसिव स्टोर के शुभारंभ से एसर ने बिहार के बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी उभरते शहरों में भी विश्वस्तरीय तकनीक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एसकेजी का वन उत्तम प्रोजेक्ट चेंबूर में लॉन्च

मुंबई। श्री कृष्णा ग्रुप (एसकेजी) ने चेंबूर के मध्य में वन उत्तम नामक प्रीमियम गेटेड रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट शुरू किया है। लगभग 3.5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में बने इस प्रोजेक्ट को चेंबूर के सबसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स में से एक माना जाता है। इस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर निर्माण, सावधानीपूर्वक योजना, आकर्षक वास्तुकला का संगम है, साथ ही, 25 से अधिक लाइफस्टाइल सुविधाएं और बड़ी हरी-भरी खुली जगह उपलब्ध है। एसकेजी के दृष्टिकोण पर आधारित वन उत्तम प्रोजेक्ट अपने बड़े आकार, खुली और सुविधाजनक जगह, और चेंबूर में एक बड़े गेटेड रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट होने के कारण अलग है। इस प्रोजेक्ट से एसकेजी की प्रेरक और लंबे समय तक टिकने वाली रेसिडेंशियल लैंडमार्क बनाने की क्षमता दिखाई देती है।

इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए एसकेजी के मैनेजिंग डायरेक्टर

सुंदीप जगासिया ने कहा, वन उत्तम प्रोजेक्ट एसकेजी की दूरदर्शिता, भव्यता, कालातीत डिजाइन और प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने की क्षमता का प्रतीक है। यह प्रोजेक्ट सिर्फ घर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चेंबूर में एक पहचान बनाने वाला गेटेड रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट बनाने के बारे में है, जो हमारी वास्तुशिल्प उत्कृष्टता की क्षमता को दिखाता है। ह्यवन उत्तम के साथ घर खरीदना सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि गर्व की बात है। वास्तुकला की भव्यता के अलावा, वन उत्तम एक मजबूत और खुशहाल समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है। सुरक्षित गेटेड वातावरण और खुली जगह निवासियों को आराम से रहने, एक-दूसरे से जुड़ने और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लेने का मौका देती हैं। चाहे वह सुबह की धूप में टहलना हो, शाम की ठंडी हवा का आनंद लेना हो, या समान विचारधारा वाले पड़ोसियों के साथ बातचीत करना हो। यह वह जगह है जहाँ स्वतंत्रता, सुरक्षा और समुदाय का संतुलन महसूस किया जा सकता है। एसकेजी की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के अनुसार, वन उत्तम प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आर्किटेक्ट संजय पुरी ने डिजाइन किया है। भारत के एक सबसे प्रसिद्ध और पुरस्कार विजेता आर्किटेक्ट संजय पुरी अपनी आधुनिक, अलग और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाने वाली डिजाइन शैली के लिए जाने जाते हैं। उनके खास दृष्टिकोण के कारण यह रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट भव्य और समय के साथ टिकने वाला एक बेहतरीन उदाहरण बनता है।

एक वर्ष में स्कोडा कायलेक का 50,000वां यूनिट उत्पादन पूरा

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने स्कोडा कायलेक के 50,000 यूनिट उत्पादन का महत्वपूर्ण माइलस्टोन पार कर लिया है। यह उपलब्धि भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के प्रति कंपनी की सशक्त और निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। कायलेक ने वर्ष 2025 में ग्रुप की 36% सालाना वृद्धि में अहम योगदान दिया है, जिसे भारत में संचालन के पैमाने में विस्तार और उच्च स्तर के लोकलाइजेशन के माध्यम से संभव बनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित माइलस्टोन सेलिब्रेशन कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा, मैं स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया को इस महत्वपूर्ण उत्पादन उपलब्धि के लिए और मेड इन इंडिया पहल के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देता हूँ। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक

एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीयूष अरोड़ा ने कहा, हम माननीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के प्रति इस माइलस्टोन सेलिब्रेशन में अपनी उपस्थिति से हमें सम्मानित करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। स्कोडा कायलेक के लिए 50,000 यूनिट का यह माइलस्टोन हमारे ग्राहकों के विश्वास और इस प्रोडक्ट के प्रति उनके स्नेह का प्रमाण है। सिद्ध MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर विकसित कायलेक की सफलता इस बात को मजबूती से दर्शाती है कि भारत में, भारत और दुनिया–दोनों के लिए डिजाइन किए गए वाहन घरेलू और वैश्विक स्तर पर ग्राहकों का विश्वास और सराहना अर्जित कर रहे हैं। कायलेक के उत्पादन को समर्थन देने के लिए रअश्हक्छछ ने चाकन प्लांट की उत्पादन क्षमता में 30% की वृद्धि की है और उच्च स्तर के लोकलाइजेशन को प्राप्त करने हेतु घरेलू सप्लायर्स के साथ सहयोग को और सुदृढ़ किया है। यह पहल मेक इन इंडिया एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जो ग्रुप की लोकल इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और सोर्सिंग क्षमताओं को गहराई प्रदान करती है।

पीयू बीएड,एलएलबी, बीए की परीक्षा में पकड़े गए 24 नकलची

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय सम्बध्द गाजीपुर जौनपुर मे बीएड एलएलबी बीए की परीक्षाएं चल रही हैं। इस दौरान स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में गुरुवार को दोनों पालियों की परीक्षा में कुल 24 नकलची पकड़े गए। जिसमें 217 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । आंतरिक उड़ाका दल को यह सफलता मिली। पकड़े गए नकलचियों की रिपोर्ट पूर्वांचल विश्वविद्यालय से कर दी गई। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में गुरुवार को दितीय पाली बीएड प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा चल रही थी। इस दौरान आंतरिक उड़ाका जल द्वारा सघन तलाशी ली गई और सीसीटीवी कैमरे से भी नकलचियों को चिन्हित किया गया। बीएड में कुल 15 नकलची नकल करते हुए पकड़े गए, कुल 2195 परीक्षार्थियों से 76 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दिया। और सुबह पाली की एलएलबी की परीक्षा में 496 परीक्षार्थियों से 411 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। 85 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । जिसमें नकल करते हुए कुल 6 नकलची पकड़े गए। इस पाली के बीए की परीक्षा में 604 परीक्षार्थियों में से कुल 548 परीक्षार्थी मौजूद रहे। 56 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिसमें आंतरिक उड़ाका दल ने तीन नकलचियों को नकल करते हुए रस्टीकेट किया। कुल 24 नकलची पकड़े जाने से परीक्षार्थियों में हड़कंप मच गया । महाविद्यालय के केंद्राध्यक्ष प्रचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देश का पालन किया जा रहा है और उसी के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। परीक्षाएं पूरी प्रदर्शिता से कराई जा रही है, प्राचार्य प्रो. राघवेंद्र पांडे के नेतृत्व में आंतरिक उड़ाका दल में प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. संजय चतुर्वेदी, प्रो. सुजीत कुमार सिंह, डॉ. योगेश, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. गोपाल यादव, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव शामिल रही। उक्त परीक्षा केंद्र पर कुल दो दर्जन कॉलेज की छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं।

IGI ने उन्नत रंगीन रत्न विश्लेषण तकनीक से सुसज्जित अपनी दूसरी जयपुर प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

मुंबई। IGI(इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट), जो हीरे, रंगीन रत्नों और आभूषणों के प्रमाणन में एक वैश्विक और भरोसेमंद संस्था है तथा भारत में जिसकी मजबूत मौजूदगी है, ने 29 जनवरी 2026 को जयपुर में अपनी दूसरी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इससे उत्तर भारत में IGI की मौजूदगी और मजबूत हुई है। रंगीन रत्नों के व्यापार, बिना कटे पोल्की और बेहतरीन आभूषण कारीगरी में जयपुर की पुरानी और समृद्ध परंपरा इसे IGI के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बनाती है। सीतापुरा, जो जयपुर का प्रसिद्ध और समर्पित रत्न एवं आभूषण निर्माण केंद्र है, IGI के व्यापार के करीब रहने के उद्देश्य के अनुरूप है। इससे उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता और भरोसा सुनिश्चित होता है। IGI का सीतापुरा में शुभारंभ, स्थानीय उपस्थिति और बेहतर पहुंच के माध्यम से निमार्ताओं और निर्यातकों को समर्थन देने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर बोलते हुए IGI के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ग्लोबल चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, तेहमास्प प्रिंटर ने कहा, IGI में हमने उपभोक्ताओं की पसंद में हो रहे वैश्विक बदलाव को समय रहते पहचाना है, विशेष रूप से रंगीन रत्नों की बढ़ती मांग को। इस मांग में तेजी का मुख्य कारण ऐसे अनोखे फ्यूजन डिजाइनों में उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि है, जिनमें कई कीमती रत्नों का संयोजन होता है, साथ ही पर्सनलाइज्ड ज्वेलरी की लोकप्रियता और रंगीन रत्नों की दुर्लभता व सुंदरता के प्रति बढ़ता आकर्षण भी इसमें अहम भूमिका निभा रहा है।

इसके अतिरिक्त, रंगीन रत्नों की उत्पत्ति का निर्धारण और उनमें किए गए ट्रीटमेंट की पहचान अत्यंत विशेषज्ञता वाले प्रक्रियाएँ हैं, जिनके लिए अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरणों की आवश्यकता होती है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उन्नत तकनीक के साथ-साथ गहन जेमोलॉजिकल विशेषज्ञता भी आवश्यक है। जयपुर में हमारी नई प्रयोगशाला के माध्यम से कम्पनी बड़े पैमाने पर इस सटीकता को प्रदान करने की अपनी क्षमता को और सशक्त कर रहा है। यह विस्तार न केवल उद्योग की बढ़ती जरूरतों को समर्थन देता है, बल्कि पूरी वैल्यू चेन में पारदर्शिता, विश्वास और भरोसे को भी मजबूत करता है–जिससे वैश्विक स्तर पर रंगीन रत्नों के बाजार के विस्तार में योगदान मिलता है।

मारपीट होने के बाद युवक ने किया धारदार हथियार से हमला

-जितेन्द्र कन्नौजिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र में मारपीट होने के बाद युवक ने मौका देखकर कुछ समय पश्चात धारदार हथियार से हमला कर एक पड़ोसी युवक को किया घायल । जिसका उपचार वाराणसी में अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि केराकत कोतवाली क्षेत्र के घुरहूपुर गांव निवासी रजनीश सरोज उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र विजय सरोज का गुरुवार सुबह पड़ोसी अंश सिंह नामक युवक से विवाद होने के बाद मारपीट हो गई थी। स्थानीय लोगों ने बीच बचाव और समझा बूझकर लोगों ने दोनों को हटा दिया था। लेकिन अंश सिंह मामले को लेकर रजनीश सरोज के फिराक में इधर-उधर टहल रहा था तभी शाम तीसरे पहर रजनीश घर से लगभग 50 मीटर दूर पर खड़ा हुआ था। तभी आरोप है कि अंश सिंह धारदार से उस पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। परिजन उसे तुरंत 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारी के सहयोग से उसे सीएचसी ले गए यहां पर चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।यहां पर चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत गंभीर देखकर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

आजमगढ़ : अवैध सोनोग्राफी सेंटर सीज, स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

* बिना पंजीकरण और लाइसेंस के चल रहा था सेंटर, शिकायत पर हुई जांच
* गलत रिपोर्टों से जनस्वास्थ्य को खतरा, पीसीपीएनडीटी नियमों का उल्लंघन पाया गया

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के बिलरियागंज क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक सोनोग्राफी सेंटर के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया। यह कार्रवाई प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलरियागंज क्षेत्र में स्टेट बैंक के बगल पूर्व पटरी पर स्थित सोनोग्राफी सेंटर बिना किसी वैध पंजीकरण, लाइसेंस और अधिकृत चिकित्सक के संचालित किया जा रहा था। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि उक्त सेंटर द्वारा गलत एवं भ्रामक सोनोग्राफी रिपोर्टें जारी की जा रही हैं, जिससे आम जनता के जीवन और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा के निर्देश पर डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलेन्द कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सेंटर के पास न तो पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत आवश्यक अभिलेख थे और न ही कोई वैध लाइसेंस अथवा पंजीकृत चिकित्सक से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध थे। टीम के पहुंचने पर सेंटर संचालक भी मौके से अनुपस्थित मिला। इन तथ्यों के आधार पर जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित सोनोग्राफी सेंटर को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। मामले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में अवैध, अपंजीकृत और गैर-मानक स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026) के अंतर्गत आज दिनांक 29 जनवरी 2026 को जनपद जौनपुर के तिलकधारी महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्काउट गाइड एवं आपदा मित्रों ने सक्रिय सहभागिता की। उक्त आयोजन का नेतृत्व स्काउट गाइड/आपदा मित्र के प्रशिक्षक डॉ0 जितेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं तथा दुर्घटनाओं से बचाव, यातायात नियमों के पालन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में यातायात निरीक्षक सुशील मिश्रा तथा यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को यातायात नियमों की जानकारी दी तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड एवं आपदा मित्रों द्वारा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर भी प्रकाश डाला गया तथा भविष्य में इस दिशा में निरंतर जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना एवं सुरक्षित यातायात व्यवहार को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

ड्रिंक एंड ड्राइव पर सख्ती, स्कूली बसों की सुरक्षा सर्वोपरि: डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर अहम निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली और इस पर सख्त निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परिवहन विभाग की बसों के चालक किसी भी स्थिति में शराब पीकर वाहन न चलाएं, इसकी नियमित जांच की जाए।

जिलाधिकारी ने जेसीज चौराहे पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर नाराजगी जताते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस पर एआरटीओ ने आश्वस्त किया कि संबंधित व्यवस्थाएं शीघ्र ही सुधार ली जाएंगी। इसके अलावा कुत्तुपुर चौराहे के पास सड़क पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए गए, जिससे आवागमन सुरक्षित और सुचारु हो सके। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्कूली बसें केवल फिटनेस प्रमाणपत्र के आधार पर ही संचालित हों। बच्चों को बस से उतारते और चढ़ाते समय बस सड़क के किनारे नहीं, बल्कि विद्यालय परिसर में ही खड़ी की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों का जीवन अनमोल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जनपद के सभी स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सड़क पर न उतारा जाए और न ही सड़क से चढ़ाया जाए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निपुण आकलन में फिर अव्वल रहने की तैयारी, बेसिक शिक्षा पर डीएम का फोकस

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की डीटीएफ (DTF) समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं और छात्रों के पोषण स्तर को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि निपुण आकलन के परिणाम में विगत वर्ष जनपद जौनपुर ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने अवगत कराया कि इसी उपलब्धि को दोहराने के लिए इस वर्ष भी प्रभावी रणनीति के तहत सतत प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में विद्यालयों में छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति, विद्यालयों की रंगाई-पुताई, बालिका शौचालयों की स्थिति, तथा अधिकारियों द्वारा किए जा रहे विद्यालय निरीक्षण की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मध्यान्ह भोजन योजना को लेकर जिलाधिकारी ने विशेष निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों को परोसा जाने वाला भोजन गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक होना चाहिए। उन्होंने एमडीएम में हरी सब्जियों की अनिवार्य आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया, जिससे बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाए और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में डीपीआरओ, संबंधित एबीएसए सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्षीय युवक ने विषाक्त का सेवन कर किया आत्महत्या का प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विषाक्त का सेवन कर युवक ने की आत्महत्या का प्रयास जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसका उपचार विकास अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि सुजानगंज थाना क्षेत्र के रामधारीपुर गांव निवासी ओम प्रकाश पटेल का 18 वर्षीय पुत्र शैलेश पटेल बुधवार रात्रि परिजन की किसी बात से नाराज होकर गुस्से में विषाक्त का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई हालांकि जब परिजनों को जानकारी हुई तो उसे जिला अस्पताल पहुंचा कर भर्ती करवाए।

एसटीएफ के सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार को वीरता पुरस्कार के चयन पर ग्रामीणों में हर्ष

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब ।आराजी लाइन विकास खंड के जमुनीपुर गांव के निवासी मनोज कुमार सिंह का चयन वीरता पुरस्कार के लिए हुआ है। जिसकी सूचना के बाद इनके परिवार और गांव में खुशी व्याप्त है। बुधवार को गांव आने पर गांव के लोगों ने मनोज कुमार सिंह का अभिनंदन किया।मनोज कुमार सिंह एस टी एफ में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत है। इस समय एसटीएफ यूनिट वाराणसी में हैं इनका चयन सन 1995 में पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल के पद पर हुआ था इन्होंने अपनी सेवा के दौरान कई बार साहसपूर्ण कार्य किया। कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन में इन्होंने हिस्सा लिया इस दौरान ग्राम प्रधान अनिल राम, मरूई ग्राम प्रधान अजय सिंह बबलू, राजेशसिंह, गुड्डू सिंह, पी एन सिंह ,गंगू यादव, दुमन सिंह, जियाराम यादव, लक्ष्मण सिंह, राम अधीन, राजू सिंह, शुभम, विनय सेठ, बच्चा लाल सेठ, एडवोकेट अखिलेश सिंह , संतोष सिंह, एडवोकेट मनीष सिंह, अखिलेश सिंह शहीद गांव की काफी लोग मौजूद रहे।

एयरटेल 36 करोड़ भारतीय ग्राहकों को मुफ्त एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम देगा!

मुंबई। भारत की अग्रणी टेलीकम्युनिकेशन सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल अब अपने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोबी एक्सप्रेस की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करा रही है। एडोबी एक्सप्रेस एक तेज, आसान और हर तरह की डिजाइन जरूरतों को पूरा करने वाला एप है, जिसे अब पूरे भारत में एयरटेल के ग्राहक इस्तेमाल कर सकेंगे। यह ऐतिहासिक और अपनी तरह की पहली साझेदारी एयरटेल के सभी ग्राहकों को एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम इस्तेमाल करने की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे वे हाई क्वालिटी वाली सोशल मीडिया एसेट्स, मार्केटिंग कंटेंट, शॉर्ट वीडियो और किसी भी प्रकार के डिजाइन को तेजी से और सहज तरीके से तैयार कर सकेंगे। लगभग रु4,000 मूल्य वाला एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम अब एक वर्ष के लिए निशुल्क उपलब्ध होगा। इसके साथ एयरटेल के सभी ग्राहक अपनी रचनात्मक क्षमताओं को खुलकर अभिव्यक्त कर सकेंगे और पेशेवर स्तर का कंटेंट तैयार कर सकेंगे, चाहे उनका डिजाइनिंग का अनुभव किसी भी स्तर का हो। एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम सब्सक्रिप्शन एयरटेल के सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें मोबाइल, वाईफाई और डीटीएच ग्राहक शामिल हैं। ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप पर लॉग इन करके इस सब्सक्रिप्शन का लाभ उठा सकते हैं और इसके लिए किसी भी प्रकार के क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। इस साझेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धार्थ शर्मा, सीईओ - कनेक्टेड होम्स एंड डायरेक्टर - मार्केटिंग, भारती एयरटेल ने कहा,ह्लयह साझेदारी केवल तकनीक तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अत्याधुनिक एआई टूल्स के माध्यम से सशक्त बनाना है, ताकि वे सृजन और नवाचार कर सकें। चाहे वह छात्र हो जो अपना पहला रिज्यूमे बना रहा है, छोटा कारोबारी जो पोस्टर डिजाइन कर रहा है, या कोई कंटेंट क्रिएटर जो अपने फॉलोअर्स के लिए वीडियो एडिट कर रहा है, हम हर एयरटेल ग्राहक को खुद को व्यक्त करने के लिए आवश्यक टूल्स उपलब्ध कराना चाहते हैं। एडोबी एक्सप्रेस के साथ विश्वस्तरीय क्रिएटिव टूल्स अब लग्जरी नहीं बल्कि हर भारतीय के लिए एक वास्तविकता बन गए हैं। एडोबी डिजिटल मीडिया के प्रेसिडेंट डेविड वाधवानी ने कहा, हम एडोबी एक्सप्रेस के माध्यम से हर व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे आसानी से कुछ भी बना सकें और अपनी अलग पहचान बना सकें।

जिला कृषि अधिकारी द्वारा उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कृषि अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में रबी फसलों की बुवाई एवं सिंचाई के उपरान्त टॉपड्रेसिंग हेतु कृषकों द्वारा यूरिया की मांग तेजी से की जा रही है। जनपद में उर्वरक वितरण व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु 29 जनवरी 2026 को कुल 17 उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर एवं स्टॉक बोर्ड/रेट बोर्ड अद्यतन पूर्ण न होने के कारण कुल 04 उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठनों यथा मे० सूरज खाद भण्डार करंजाकला, मे० प्रमोद खाद एवं बीज भण्डार मनवल, मे० नेशनल खाद भण्डार, मे० कृषि उन्नति एग्रीजंक्शन केन्द्र सिद्दीकपुर का उर्वरक प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया। मे० आर०के० बीज भण्डार मल्हनी पर रेट बोर्ड न पाये जाने कारण एवं मे० मैहर एग्रीजंक्शन केन्द्र मल्हनी द्वारा बिना किसी सूचना के प्रतिष्ठान बन्द पाये जाने के पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 05 उर्वरक नमूना ग्रहित किया गया।

कृषक भाइयों से अपील है कि अपने निकटतम बिक्री केंद्र से पी०ओ०एस० मशीन पर अंगूठा लगाकर अपनी जोत बही के अनुसार संस्तुत मात्रा में यूरिया उर्वरक क्रय करे तथा अपने विक्रेता से रसीद अवश्य लें। यदि किसी विक्रेता द्वारा मनमाने ढंग से बिक्री की जा रही है तो उसकी शिकायत जिला कृषि अधिकारी जौनपुर के कार्यालय में स्थापित कण्ट्रोल रूम में दूरभाष संख्या 8419021250 पर पूर्वान्ह 10:00 बजे से अपरान्ह 05:00 बजे तक दर्ज करा सकते है।

सत्ता के विरूद्ध सच बोलने का प्रतीक था हिक्की गजट: डॉ. सुनील

भारत के प्रथम समाचार पत्र 'हिक्की बंगाल गजट' पर संगोष्ठी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज ही के दिन 1780 में भारत का प्रथम समाचार पत्र 'हिक्की बंगाल गजट' का प्रकाशन शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सुनील कुमार ने कहा कि जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा शुरू किया गया यह पत्र एशिया का पहला मुद्रित समाचार पत्र था हिक्की बंगाल गजट ने न केवल खबरें दीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बना। बाजार भाव, शादियां और राजनीतिक विश्लेषण से भरपूर यह पत्र सत्ता के विरुद्ध सत्य बोलने का प्रतीक था। यह बात दीगर है कि दो साल में अखबार बंद हो गया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे वर्तमान पत्रकारिता के दौर में हिक्की के साहस से प्रेरणा लें। डॉ.जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर दिग्विजय सिंह राठौर ने संगोष्ठी कहा कि हिक्की गजट ने ईस्ट इंडिया कंपनी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध साहसी पत्रकारिता की मिसाल कायम की।हिक्की का नारा 'सभी के लिए खुला, लेकिन किसी से प्रभावित नहीं' आज भी प्रेस स्वतंत्रता का मूलमंत्र है। उन्होंने कहा कि दो पेज के अखबार की ताकत इतनी थी कि ब्रिटिश हुकूमत उससे भयभीत हो गई। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चंदन सिंह ने कहा कि हिक्की ने गवर्नर वारेन हेस्टिंग्स के कुशासन पर कटाक्ष भरे लेख लिखे, जिसके कारण उन्हें जेल और आर्थिक संकट झेलना पड़ा। फिर भी, मात्र दो वर्ष चले इस पत्र ने भारतीय पत्रकारिता की नींव रखी। उन्होंने आधुनिक डिजिटल युग में फेक न्यूज के संदर्भ में हिक्की की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विभाग के टेक्निकल विशेषज्ञ आनंद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन छात्र सुमित सिंह ने कुशलतापूर्वक किया, जिन्होंने सभी वक्ताओं के विचारों को प्रभावी ढंग से श्रोताओं तक पहुंचाया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन छात्र दिव्याशु सिंह ने किया, जिन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद दिया। संगोष्ठी में विभाग के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

महिंद्रा ने कटक में बढ़ाई अपनी उपस्थि

कटक। महिंद्रा के ट्रक एंड बस बिजनेस ने पिछले 4 साल के दौरान मात्रा (वॉल्यूम) में वृद्धि हासिल करने के बाद, आज ओड़िशा के कटक में अपनी अत्याधुनिक 3एस डीलरशिप का उद्घाटन किया। 6 सर्विस बे वाली यह इकाई हर दिन 8 से ज्यादा गाड़ियों की सर्विस कर सकती है। साथ ही यहां ड्राइवर के रहने की जगह, 24 घंटे ब्रेकडाउन सहायता और ऐडब्लू भी उपलब्ध होंगे । विनोद सहाय, अध्यक्ष झ ट्रक, बस एवं निर्माण उपकरण, समूह कार्यकारी निदेशक मंडल के सदस्य, ने इस अवसर पर कहा, हमें कटक में अपनी नई अत्याधुनिक डीलरशिप का उद्घाटन करने की खुशी है। मेसर्स मां दुर्गा ऑटो टेक ओड़िशा में महिंद्रा ट्रक और बस का नया डीलर बन गया है।